डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 4

वर्ष : 21 | अंक : 21 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 22 जून से 28 जून 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

राजस्थान में नजर आने लगी तीसरे मोर्चे की संभावना

-आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल, बाप पार्टी के सांसद राजकुमार रोत, चर्चित युवा नेता नरेश मीणा, निर्दलीय विधायक रविंद्र भाटी और चंद्रशेखर आजाद (रावण) की आजाद समाज पार्टी, बसपा, एआईएमआईएम और एसडीपीआई की तीसरे मोर्चे में रह सकती है विशेष भूमिका

एम.खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश में वैसे तो विधानसभा चुनाव में करीब ढाई वर्ष बचा है, लेकिन कुछ नेताओं और दलों की सक्रियता यहां तीसरे राजनीतिक मोर्चे के गठन की संभावना पैदा कर रही है। आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल, बाप के सांसद राजकुमार रोत, निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी और मीणा समाज के चर्चित नेता नरेश मीणा की प्रदेश की राजनीति में काफी सक्रियता दिखाई दे रही है। इन नेताओं की खासियत है कि यह सभी युवा नेता है और अपनी जाति वर्ग और क्षेत्र में अति सक्रिय है। इन सभी नेताओं में जनता की आवाज उठाने और जनता के मुद्दों के लिए आंदोलन करने की अदभुत क्षमता है। वैसे तो ये नेता अपनी-अपनी जातियों और वर्गों में ज्यादा लोकप्रिय है, लेकिन अपने-अपने क्षेत्र में जनता के साथ जाति, वर्ग और धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं करते हैं। इसलिए ये नेता धीरे-धीरे जनता के नेता के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। यदि ये सभी नेता और दल आपस में गठबंधन करते हैं और ईमानदारी से आगामी विधानसभा चुनाव में उतरते हैं तो निश्चित रूप से राजस्थान प्रदेश की दो दलीय राजनीति को चुनौती मिल सकती है।

प्रदेश में दो दलीय राजनैतिक व्यवस्था हैं

राजस्थान में वैसे तो यहां की जनता ने दो दलीय राजनीति को पसंद किया है। यहां कभी कांग्रेस और कभी बीजेपी सरकार बनाती रहती है। वर्तमान में भी प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस पार्टी का ही प्रभाव है। राजस्थान में पहले भी कई बार विधानसभा चुनावों में तीसरे राजनीतिक गठबंधन बनाने की कोशिश हुई, लेकिन पर्याप्त सफलता नहीं मिली। वैसे प्रदेश में कई बार बड़ी संख्या में निर्दलीय विधायक जीत कर आते हैं। जिनमें से एकाध निर्दलीय विधायक को छोड़कर ज्यादातर सत्ताधारी दल या किसी विपक्षी दल के साथ होते रहे हैं। राजस्थान में यदि तीसरे मोर्चे के 20-25 विधायक जीतकर आ जाते हैं तो आगामी चुनावों में मुख्य राजनीतिक पार्टियों विशेषकर भाजपा और कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती है।

तीसरे राजनीतिक गठबंधन के लिए क्या जरूरी

तीसरे राजनीतिक मोर्चे में संभावित नेता है जो गठबंधन कर सकते हैं। उनमें हनुमान बेनीवाल, राजकुमार रोत, रविंद्र भाटी एवं नरेश मीणा हैं। ये नेता ईमानदारी से राजस्थान में 20-25 विधानसभा सीट जीत सकते हैं, लेकिन इन सब के लिए जरूरी चीजें है। जिनसे इनको सफलता मिल सकती है और सरकार भी बना सकते हैं। इन नेताओं की सफलता और तीसरे राजनीतिक मोर्चे की सफलता के लिए जरूरी है कि राजस्थान में तीसरे मोर्चे के साथ दलित नेता, दलित वोटर और इसी तरह मुस्लिम नेता व मुस्लिम वोटर जुड़े।

तीसरे मोर्चे की सफलता अकेले हनुमान बेनीवाल के जाट समाज, राजकुमार रोड के आदिवासी समाज रविंद्र भाटी के राजपूत समाज और नरेश मीणा के मीणा समाज से नहीं मिलने वाली है। क्योंकि इन नेताओं के साथ उनकी जातियां पूरी तरह साथ नहीं है और ना ही रहने वाली है। प्रदेश में मुस्लिम और दलित वर्ग का जुड़ना ही तीसरे मोर्चे की सफलता प्रभावित करेगा। प्रदेश में मुस्लिम समाज ज्यादातर कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है और भाजपा के विरोध में है, लेकिन यह भी सही है कि मुस्लिम समाज अब प्रदेश में कांग्रेस से इतना मजबूती से नहीं जुड़ा है जितना पहले था। इसलिए तीसरे मोर्चे के नेता योजना बनाकर थोड़ी मेहनत करेंगे तो मुस्लिम समाज तीसरे मोर्चे से जुड़ सकता है। दलित समाज बीजेपी और कांग्रेस दोनों से ही जुड़ा हुआ है। दलितों को तीसरे मोर्चे से जोड़ने के लिए बसपा और आजाद पार्टी के चंद्रशेखर आजाद को साथ लाना होगा। प्रदेश में दलितों की बड़ी संख्या है और राजनीति के खेल बनाने और बिगड़ने में काम आ सकती है।

प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद ने रकमा प्रदेश कार्यकारिणी को भंग किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (RAKMA) की प्रदेश कार्यकारिणी को रकमा प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद ने भंग कर दिया है। अतीक अहमद ने बताया कि नई कार्यकारिणी का गठन शीघ्र किया जायगा। ज्ञातव्य है कि रकमा कार्यकारिणी का कार्यकाल दो वर्ष का होता है। कार्यकारिणी का अब मात्र 6 महीने का समय बचा है। दूसरी तरफ रकमा की कार्यकारिणी के लिए और प्रदेशाध्यक्ष के लिए रकमा सदस्यों ने चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। रकमा प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव महासमिति सदस्यों के वोटिंग द्वारा होता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी उद्बोधन को सुना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के आबूराज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्चुअल माध्यम से प्रेरणादायी उद्बोधन सुना।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर से आगे बढ़कर वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। इस अवसर पर योग के महत्व को आत्मसात करते हुए नियमित योग अपनाने एवं स्वस्थ जीवनशैली के संकल्प का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया को योग से परिचित कराया, जिसके पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की पहल की। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक शक्ति और वैश्विक नेतृत्व का सम्मान है।

जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान योग साधकों की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री अजीत मांडण सहित अलग-अलग विभागों के कर्मचारी, पुलिसकर्मी, होमगार्ड जवान, एनसीसी कैडेट, विद्यार्थी और आमजनों ने योग किया। वहीं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, छगन माहुर, बिहारी लाल विश्नोई, हकरू भाई, ज्योति मिर्धा, अलका मूंदड़ा, सरिता गैना, प्रदेश महामंत्री डॉ मिथिलेश गौतम, कैलाश मेघवाल, प्रदेश मंत्री नारायण मीणा, डॉ अपूर्वा सिंह, आईदान सिंह भाटी, एकता अग्रवाल, नारायण पुरोहित सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने भी योग किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सुना।

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में मस्जिदों, इबादत स्थलों के अवैध ध्वस्तीकरण पर जमीयत उलेमा-ए-हिन्द कानूनी कार्यवाही करेगी

-पश्चिमी राजस्थान में अब तक अनेक मस्जिदों, दरगाहों तथा अन्य धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किया जा चुका है

नई दिल्ली/जोधपुर । राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में मस्जिदों, दरगाहों तथा अन्य धार्मिक स्थलों के ध्वस्तीकरण पर जमीयत उलेमा-ए-हिन्द ने कड़ा विरोध दर्ज करते हुए इसे संवैधानिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता तथा इबादत के अधिकार पर गंभीर आघात बताया है। हालात का जायजा लेने के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देश पर 20 जून 2026 को एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जमीयत उलेमा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती सैयद मोहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी के नेतृत्व में राजस्थान पहुँचा।

इस अवसर पर बाड़मेर में प्रभावित मस्जिदों एवं मदरसों के जिम्मेदारों एवम् प्रभावित लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की कानूनी रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि वे इस कठिन समय में अकेले नहीं हैं, बल्कि जमीयत उलेमा-ए-हिन्द उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने तथाकथित 'ऑपरेशन क्लीन' के अंतर्गत की जा रही एकतरफा कार्रवाई पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि ये पूजा स्थल और धार्मिक स्थान सदियों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं थे, तो अचानक उन्हें खतरा घोषित करना शरारत पूर्ण है, और न्याय और तर्क के भी विरुद्ध है। दूसरी ओर यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का प्रत्यक्ष उल्लंघन तथा न्यायालय की अवमानना है।

प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से मांग की कि धार्मिक स्थलों के विरुद्ध एकतरफा कार्रवाइयों को तत्काल रोका जाए, कानून के शासन को सुनिश्चित किया जाए तथा सभी नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की समान रूप से रक्षा की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि पूजा स्थलों को निशाना बनाकर देश को मजबूत नहीं किया जा सकता। संविधान की सर्वोच्चता, समान न्याय तथा सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा ही राष्ट्रीय एकता और वास्तविक राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद है।

प्रतिनिधिमंडल ने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वे मस्जिदों को सामूहिक नमाज़ के माध्यम से आबाद रखें तथा शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखें

स्थिति की जानकारी देते हुए जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के उपाध्यक्ष कारी मोहम्मद अमीन पोकरण तथा जमीयत उलेमा राजस्थान के महासचिव मौलाना अब्दुल वहीद खत्री ने बताया कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से परामर्श जारी है और शीघ्र ही कानूनी कार्रवाई शुरु की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, फलोदी, जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में अब तक अनेक मस्जिदों, दरगाहों तथा अन्य धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किया जा चुका है। बीकानेर में चार मस्जिदें जबकि फलोदी, जैसलमेर और बाड़मेर में नौ मस्जिदें एवं दरगाहों को ध्वस्त कर दिया गया है। इसके सैकड़ों अन्य धार्मिक स्थलों को नोटिस भी जारी किए गए हैं। इनमें जैसलमेर के रामगढ़-तनोट बाईपास रोड पर स्थित लगभग ढाई सौ वर्ष पुरानी हज़रत महमूद शाह जिलानी की दरगाह भी शामिल है।

उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान का यह सीमावर्ती क्षेत्र पड़ोसी देश से लगभग नौ सौ किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़ा हुआ है और विभाजन से पूर्व से ही यहाँ बड़ी संख्या में हिंदू मुस्लिम आबादी निवास करती रही है। इस क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द, आपसी भाईचारा अनुकरणीय है, सदियों से स्थापित मस्जिदें, दरगाहें और अन्य धार्मिक स्थल स्थानीय इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं।

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के प्रतिनिधिमंडल में जमीयत उलेमा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती सैयद मोहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी, जमीयत उलेमा दिल्ली के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद कासिम नूरी कासमी, दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट मोहम्मद तैयब खान तथा जमीयत उलेमा दिल्ली के सचिव मुफ्ती मोहम्मद हस्सान इब्राहीम कासमी शामिल हैं। वहीं राज्य इकाई की ओर से जमीयत उलेमा राजस्थान के अध्यक्ष मौलाना हबीबुल्लाह कासमी, नाज़िम-ए-तंजीम मौलाना मोहम्मद इलियास कासमी, मौलाना नूर मोहम्मद, मौलाना मलूक, शेर मोहम्मद, मौलाना हाशिम, मौलाना अली मोहम्मद तथा अन्य स्थानीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस सचिव इमरान कुरैशी ने इमरान प्रतापगढ़ी से की शिष्टाचार भेंट

-अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर हुई विस्तृत चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव इमरान कुरैशी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (राजस्थान) के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राज्यसभा सांसद जनाब इमरान प्रतापगढ़ी से शिष्टाचार मुलाकात कर प्रदेश के अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय की सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा समाज के पिछड़े एवं जरूरतमंद वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही समाज में जागरूकता, सहभागिता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

बंगाल में मदरसों को मिलने वाली रकम आधी हुई

- भाजपा सरकार का पहला बजट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। विधानसभा में बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कई बड़े ऐलान किए। बंगाल में पहली बार बनी भाजपा की सरकार ने सरकारी कर्मियों को महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाने की सौगात देते हुए डीए 18 से 38 फीसदी करने की घोषणा की। शिक्षकों के 50 हजार और राज्य पुलिस के 20 हजार पदों को मिलाकर 70 हजार खाली पदों को भरने का ऐलान भी किया गया। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि एक सरकार 1 लाख से ज्यादा सरकारी पदों को भरेगी और इसमें महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।

मदरसों को मिलने वाला फंड घटाया

वहीं राज्य के बजट में अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ रुपए से घटाकर 2,165.42 करोड़ रुपए कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि 4 लाख 30 हजार करोड़ रुपए के बजट में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के समय शुरू हुई सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं (जैसे- अन्नपूर्णा योजना और महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा) को जारी रखा जाएगा। वहीं, कोलकाता में एक नए एयरपोर्ट बनने की भी घोषणा की गई है।

अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा, राजेश शर्मा को फिर सौंपी जिले की कमान

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। पत्रकार हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) राजस्थान इकाई ने वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा को पुनः सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संगठन के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ की अनुशंसा एवं स्वीकृति से की गई है। राजेश शर्मा की पुनर्नियुक्ति पर जिले के पत्रकारों में खुशी का माहौल है। पत्रकार साथियों ने इसे संगठन की मजबूती और पत्रकार हितों के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका का सम्मान बताया है। लंबे समय से पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय राजेश शर्मा ने पत्रकारों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा और संगठनात्मक गतिविधियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि संगठन को राजेश शर्मा जैसे अनुभवी और समर्पित

पत्रकारों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजेश शर्मा के नेतृत्व में सवाई माधोपुर इकाई ने पूर्व में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसी विश्वास के साथ उन्हें एक बार फिर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा सम्मान के लिए संगठन निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला न्यायालय परिसर में योग शिविर का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय सवाई माधोपुर के सभागार में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का उद्देश्य योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। योग शिविर में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण, एडीआर स्टाफकर्मी एवं अधिकार मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षक रवि कुमार सैनी ने प्रतिभागियों को योग के महत्व एवं उसके बहुआयामी लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग प्रशिक्षक द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का विधिवत अभ्यास करवाया गया। इस दौरान ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, सिंहासन एवं अन्य महत्वपूर्ण आसनों का

अभ्यास कराया गया तथा प्रत्येक आसन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं शीतली प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए बताया गया कि नियमित प्राणायाम करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है, तनाव एवं चिंता में कमी आती है तथा मानसिक एकाग्रता बढ़ती है। इस दौरान जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेंद्र दीक्षित ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में बढ़ते तनाव, अनियमित दिनचर्या एवं विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए योग एक प्रभावी एवं सरल माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सुदृढ़, मानसिक रूप से संतुलित एवं सकारात्मक सोच वाला बनाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बताया गया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 1 जून 2026 से 21 जून 2026 तक 21 दिवसीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से आमजन को योग के महत्व एवं लाभों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। योग शिविर में विशिष्ट न्यायाधीश अजा/अजजा (अ.नि.) प्रकरण असीम कुलश्रेष्ठ, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपांजलि जादौन, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-01 किरण प्रजापत, अध्यक्ष न्यायिक कर्मचारी संघ प्रवीण शर्मा, वरिष्ठ मुंसरिम अनिल जैन, कार्यकारी सहायक खेमराज नामा, अधिवक्ता रामस्वरूप साहू, चेतीराम मीणा तथा न्यायिक कर्मचारियों में शिवकुमार बंसल, राजेंद्र नामा, बाबूलाल मीणा, मुकेश मीणा, आशुतोष गौतम, नरेश जैन, बुद्धि जैन, तुलसीराम स्वर्णकार, अब्दुल हक आदि मौजूद रहे।

रामचंद्र यादव को मिला भारत भूटान शांति रत्न अवॉर्ड

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भूटान देश की राजधानी थिंपू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं भारत भूटान शांति रत्न अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सुबह सभी भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने योग किया और बाद में भूटान सरकार के वित्त मंत्री लोकनाथ शर्मा एवं लोकसभा अध्यक्ष दासों ऋतुराज चेटरी और भूटान सरकार के सांसद सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में भारत से आए हुए अलग-अलग क्षेत्र से अलग-अलग राज्यों से अलग-अलग व्यवसाय से अपनी-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक से बढ़कर एक

प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया गया। जिसमें चौमूं विधानसभा के घिनोई ग्राम पंचायत के नई ढाणी दुग्ध समिति के सचिव पशुधन सहायक रामचंद्र यादव का साफा पहना कर प्रशस्ति पत्र देकर और मेडल पहनाकर सम्मान किया गया। गोरतबल है कि यादव को मंच से यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिला है।

पूर्व विधायक ने गौशाला में गौसेवा की, विभिन्न गौशालाओं को भेंट की 25 चारे की गाड़ियां

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का जन्मदिन क्षेत्र में 'सेवा सप्ताह' के तहत मनाया गया। पूर्व विधायक के जन्मदिवस के अवसर पर अलग-अलग जगहों पर गौ सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत पूर्व विधायक ने क्षेत्र और आसपास की विभिन्न गौशालाओं में 25 से अधिक चारे की पिकअप गाड़ियां भेंट की गईं। इस विशेष अभियान की शुरुआत चौमूं स्थित प्राचीन श्री गढ़ गणेश जी मंदिर से की गई थी। उन्होंने गौवंश के लिए गायों को गुड़ खिलाकर सेवा कार्य किया गया। उन्होंने शिव चारा मंडी गोविंदगढ़, शिव चारा मंडी हाड़ौता, थाना मोड़ चौमूं, कानरपुरा गौशाला, भूतेड़ा गौशाला, स्याऊ गौशाला और श्री वीर तेजाजी गौशाला सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर गौ सेवा की। जनसभा

को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने बताया कि सनातन संस्कृति में गाय को विशेष स्थान प्राप्त है और प्राचीन काल से ही गौसेवा को पुण्य तथा लोककल्याण का कार्य माना जाता रहा है। उन्होंने गौवंश की सेवा, संरक्षण और संवर्धन को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का अभिन्न हिस्सा बताया। वहीं कार्यक्रम को लेकर वक्ताओं ने बताया कि रामलाल शर्मा का जन्मदिन सप्ताह केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से मनाया गया। इसी क्रम में गौशाला में चारा वितरण और गौसेवा का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे गौवंश को लाभ मिल सके। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया और गोशालाओं में पौधारोपण किया। साथ ही कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से पौधों की देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, पूर्व सरपंच एडवोकेट रामगोपाल मीणा, पूर्व सरपंच गोपाल डेनवाल, सरपंच गौरीशंकर नेतड़, गौरक्षक शेर सिंह कुमावत, रिश्पाल कुमावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैंकड़ों बन्द तालों में रहूं

भीड़ में रहूं या बयांबां में रहूं सदा तेरे ही ख्यालों में रहूं
जहां भी रहूं मुश्किल नहीं चाहे ज़माने के सवालों में रहूं
वो सोचता ज़रुर होगा बदलते हालात में ताआल्लुक को
ये ओर बात है मैं खुशबू की तरह तह किये उसके रुमालों में रहूं
भीग जाएंगे सूखे हुए रिश्तों के कंवल बरसात की आमद से
ना चाहते हुए भी कारोबार के बेशुमार कीमती हवालों में रहूं
आ जा के तिरे तर गुलाबी होंठों की रसभरी हवेली में
लाख तालों के बावजूद पहरेदारों के संग मशालों में रहूं
तू कभी भूलकर भी अपने से जुदा ना करना ज़िन्दगी
चाहे आज़ाद रहूं ना रहूं या सैकड़ों बन्द तालों में रहूं
क्या फरक पड़ता है जो किसी हाल तू मुझे रक्खे कहीं
तेरा जो हुक्म हो फिर दिल में रहूं या कहीं अटालों में रहूं
वो देख कर भी तुम पे यक़ीं ना करे तो कोई क्या कर ले
ज़रूरी नहीं महलों में रहूं तुरबत में या ग़ुरबत के निवालों में रहूं

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10 -15 हजार+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।
तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।
-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भरतपुर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा शुक्रवार (19 जून, 2026) को कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग भरतपुर के सूरजपोल सेक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुदगल आंगनवाडी कार्यकर्ता, कारे का नगला सेंटर भरतपुर, राजबाला आंगनवाडी कार्यकर्ता डी ब्लॉक रंजीत नगर भरतपुर को प्रथम किश्त के रूप में 10,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को शिकायत मिली थी। परिवादी ने शिकायत में बताया कि उसे अपनी नौकरी में परेशान न करने व रिश्वत नही देने पर नौकरी से निकालने की धमकी देकर आरोपी 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर परेशान कर रही है। जिस पर एसीबी रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक ओमप्रकाश मीना के सुपरविजन में एसीबी चौकी भरतपुर के अमित सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला एवं बाल विकास विभाग भरतपुर के सूरजपोल सेक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुदगल आंगनवाडी कार्यकर्ता कारे का नगला सेंटर भरतपुर, राजबाला आंगनवाडी कार्यकर्ता डी ब्लॉक रंजीत नगर भरतपुर को प्रथम किश्त के रूप में 10,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस परिमला के सुपरविजन में आरोपीयों से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

चौमूं में जरूरतमंदों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। समाज में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और बेहतर बनाने के उद्देश्य से विराज फाउंडेशन और सुधांशु अनंत ईएनटी हॉस्पिटल के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) किया गया। इस समझौते के तहत जरूरतमंद और वंचित लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा कान, नाक और गला (ईएनटी) संबंधी रोगों के उपचार और परामर्श में सहयोग किया जाएगा। विराज फाउंडेशन लंबे समय से समाज सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करता आ रहा है। इस नई साझेदारी से जनहित और लोक कल्याण से जुड़े कार्यों को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने मिलकर समाज के हित में कार्य करने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

डॉक्टर्स-डे पर होगा चिकित्सकों का सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जाहोता गांव में बलाई विकास समिति, जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से 1 जुलाई को डॉक्टर्स-डे के अवसर पर आयोजित होने वाले चिकित्सक सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह समारोह महात्मा ज्योतिबा फुले पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, हाड़ोता में आयोजित होगा। पोस्टर का विमोचन समारोह के मुख्य संयोजक रामगोपाल डोई के पुत्र एवं व्याख्याता महेश कुमार डोई ने किया। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि कार्यक्रम में सरकारी और निजी क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के डॉक्टरों का सम्मान किया जाएगा। इनमें एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, फिजियोथैरेपी और पशु चिकित्सक शामिल हैं। उन्होंने

कहा कि डॉक्टर समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके सम्मान के लिए यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। इस दौरान समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूनीवाल, लाला राम महरड़ा, तेजपाल लूनीवाल, पंचायत समिति सदस्य सुनीता देवी, मीरा देवी, स्वाती देवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

RAS में चयनित संदीप मेहरा सम्मानित, बांदीकुई में हुआ स्वागत-सम्मान समारोह

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। बांदीकुई में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित संदीप मेहरा का सम्मान समारोह हुआ। चेतराम जोनवाल मैनेजर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। समारोह में डॉ. सोमोतीलाल, मुकेश कुंदन, राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ दौसा के जिलाध्यक्ष एवं समता सैनिक दल के जिला कमांडर,चेतराम जोनवाल,प्यारेलाल भीमवाल, योगेश जोनवाल, सुरेंद्र मेहरा, खेमचंद वर्मा, अशोक कुमार, संदीप पीटीआई, इंद्राज बंसीवाल, सुभाष जारवाल, सुजीत सोमाडा, अरविंद लकवाल, रामधन, मोहनलाल

रेसवाल, मनोज कुमार,मोतीलाल ठेकेदार,कंचन और सुरेश सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने संदीप मेहरा की उपलब्धि को क्षेत्र और समाज के लिए गौरवपूर्ण बताया। राजेश जोनवाल सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए युवाओं को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। अपने संबोधन में नवचयनित RAS अधिकारी संदीप मेहरा ने सफलता के पीछे कड़ी मेहनत, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से तैयारी करने की प्रेरणा दी तथा समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

मतदान से चुनी नई कार्यकारिणी, शिक्षा और सेवा कार्यों को मिलेगा नया विस्तार

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। डॉ. बीआर अंबेडकर शिक्षा एवं सेवा समिति, बांदीकुई की आम सभा का आयोजन 21 जून 2026 को गुढाकटला रोड स्थित किया गया। बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने अब तक आयोजित किए गए कार्यक्रमों की सराहना की। सदस्यों ने प्रतिभा सम्मान समारोह, माता रमाबाई जयंती पर शरबत एवं जल सेवा तथा विश्व रक्तदान दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने पर जोर दिया। बैठक में समिति को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सदस्य संख्या बढ़ाने तथा वित्तीय रूप से सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। इसके बाद समिति के सुचारू संचालन के लिए अस्थायी कार्यकारिणी के स्थान पर एक वर्ष के लिए स्थायी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव मतदान प्रक्रिया से शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। मतगणना के बाद डॉ. बीके बैरवा अध्यक्ष, पूरणलाल

बैरवा सचिव, डॉ. मनीष कुंद्रा उपाध्यक्ष और रमेशचंद वर्मा कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि एक सप्ताह के भीतर कार्यकारिणी का गठन कर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किए जाएंगे।

नगर निगम जयपुर की टीम ने अतिक्रमण हटाए

-10 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में पीएचक्यू के सामने, लक्ष्मी नगर चैराहा, विधानसभा रोड़, सत्कार शॉपिंग सेन्टर, मॉडल टाउन, सेक्टर-8 मालवीय नगर, महेश नगर पार्क के सामने, गांधी पथ 80 फीट रोड़, गुप्ता स्टोर के सामने, वैशाली नगर, सिरसी रोड़ 200 फीट बाईपास के पास, गोविन्दम टॉवर, कालवाड़ रोड़ एवं

झोटवाड़ा पुलिया के नीचे आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में पीएचक्यू के सामने, लक्ष्मी नगर चैराहा, विधानसभा रोड़, सत्कार शॉपिंग सेन्टर, मॉडल टाउन, सेक्टर-8 मालवीय नगर, महेश नगर पार्क के सामने, गांधी पथ 80 फीट रोड़, गुप्ता स्टोर के सामने, वैशाली नगर, सिरसी रोड़ 200 फीट बाईपास के पास, गोविन्दम टॉवर, कालवाड़ रोड़ एवं झोटवाड़ा पुलिया के नीचे आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया।

पृष्ठ एक का शेष....

प्रदेश कांग्रेस सचिव इमरान कुरैशी ने इमरान प्रतापगढ़ी से की.....

समाज के उत्थान, युवाओं के भविष्य और जनकल्याण कारी योजनाओं के कियानवयन पर चर्चा:

इमरान कुरैशी ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समुदाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं अपेक्षाओं से जनाब इमरान प्रतापगढ़ी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि समाज के विकास, शिक्षा के प्रसार, युवाओं के कौशल विकास तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए सतत प्रयास किए जाने चाहिए, जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने सामाजिक न्याय, समान अवसर एवं समुदाय के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा, जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने युवाओं की भागीदारी को लोकतंत्र और समाज निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए उन्हें सकारात्मक सोच और जनसेवा के लिए प्रेरित किया। इमरान कुरैशी ने जनाब इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व, सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी सक्रियता तथा अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों एवं उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन समाज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके विचार समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखते हैं। यह शिष्टाचार भेंट प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण, सामाजिक सशक्तिकरण, शिक्षा के विस्तार, युवाओं के विकास तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है। समाज के विभिन्न वर्गों ने इस संवाद को रचनात्मक, दूरदर्शी एवं जनकल्याणकारी प्रयास बताते हुए इसकी सराहना की है।

जर्जर हवेलियां कब तक निगलती रहेंगी जिंदगी?

-8 दिन में एक ही हवेली ने ली मासूम और बुजुर्ग महिला की जान, जिम्मेदार कौन?

-पुरानी हवेलियों की अनदेखी बनी मौत का कारण, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

-अब 50-60 लोगों ने खाली किया मकान

सद्दाम हुसैन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चारदीवारी क्षेत्र में जर्जर हवेलियां अब लोगों के लिए आशियाना नहीं बल्कि मौत का खतरा बनती जा रही हैं। सुभाष चौक थाना क्षेत्र के चौकड़ी गंगापोल स्थित लवाण का घेर में एक ही जर्जर हवेली ने महज 8 दिन के अंदर दो जिंदगी लील लीं। हादसों के बाद सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर इन जर्जर इमारतों पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं होती और मासूमों व आम लोगों की जान की कीमत कब समझी जाएगी।

करीब 8 दिन पहले इसी हवेली में सो रहा 5 माह का मासूम अब्दुल कादिर जिंदगी और मौत की लड़ाई हार गया। मृतक के पिता रशीद ने बताया कि उनका बेटा गहरी नींद में सो रहा था। उसे क्या पता था कि यह उसकी जिंदगी का आखिरी दिन होगा। अचानक छत का कमजोर प्लास्टर भरभरा कर मासूम के ऊपर आ गिरा। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रशीद का आरोप है कि हवेली की जर्जर हालत को लेकर कई बार मकान मालिक को अवगत करवाया गया था। स्थानीय लोगों ने भी मरम्मत या हवेली को खाली करवाने की मांग की, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी उन्हें शिकायत करने पर धमकाया गया।

वहीं गुरुवार को एक बार फिर उसी हवेली ने एक और जिंदगी छीन ली। पड़ोस में रहने वाली 60 वर्षीय शाकीरा अपने घर से बाहर निकल रही थीं, तभी जर्जर हवेली का छज्जा अचानक उनके ऊपर गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल महिला को बाहर निकाला और इलाज के लिए एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद शाकीरा ने दम तोड़ दिया। दो मौतों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से हवेली की हालत खराब थी और कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका जताई जा रही थी। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कदम नहीं उठाया। निवर्तमान पार्षद पति सना वसीम खान ने कहा कि नगर निगम अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करता है, लेकिन चारदीवारी क्षेत्र में कई पुरानी और जर्जर हवेलियां हादसों को न्योता दे रही हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। घटना की सूचना पर सुभाष चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार्यवाहक थाना प्रभारी ओमवीर ने जर्जर हवेली का निरीक्षण किया और वहां रह रहे लोगों को समझाइश देते हुए कहा कि जान जोखिम में डालकर रहना उचित नहीं है। पुलिस की समझाइश के बाद हवेली में रह रहे करीब 50-60 लोगों ने अपना सामान निकालकर मकान खाली कर दिया।

अब सवाल यही है —

क्या प्रशासन की कार्रवाई दो मौतों के बाद ही होगी? क्या जर्जर हवेलियों में रहने वाले लोगों की जिंदगी इतनी सस्ती है? या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा?

फरहान कुरैशी जिला कांग्रेस महासचिव नियुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश OBC कांग्रेस कमेटी की जयपुर जिला कार्यकारिणी घोषित में मोहम्मद फरहान कुरैशी को महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया। फरहान कुरैशी ने किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन कागज़ी व शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। मोहम्मद फरहान कुरैशी कांग्रेस के युवा नेता है और राजनीति के जरिए समाज सेवा और देशसेवा करना चाहते है।

रामबाग सर्किल पर एआई स्क्रीन से होगी चालान उल्लंघनकर्ताओं की पहचान

-बकाया चालान भी होंगे प्रदर्शित

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के व्यस्त रामबाग सर्किल पर यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नई तकनीक का प्रयोग शुरू किया है। यहां कैमरों और बड़ी डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से वाहनों की पहचान कर उनके लंबित चालान, जुर्माने की राशि तथा पीयूसी एवं बीमा की स्थिति प्रदर्शित की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार रामबाग सर्किल पर लगाए गए एआई कैमरे गुजरने वाले वाहनों के नंबर प्लेट को स्कैन करते हैं। इसके बाद संबंधित वाहन के लंबित चालान, किए गए यातायात अपराधों की संख्या और बकाया जुर्माने की जानकारी स्क्रीन पर दिखाई जाती है। यदि किसी वाहन का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (PUC) या बीमा समाप्त हो चुका है तो उसकी जानकारी भी स्क्रीन पर प्रदर्शित होती है।

पुलिस का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा लंबित चालानों की वसूली को प्रभावी बनाना है। स्क्रीन पर वाहन संबंधी जानकारी प्रदर्शित होने के बाद मौके पर मौजूद ट्रैफिक कर्मी संबंधित वाहन को रोककर आवश्यक कार्रवाई करते हैं। जिन मामलों में चालान न्यायालय में विचाराधीन नहीं होता, वहां मौके पर ही चालान का निस्तारण और भुगतान कराया जा सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि जिन वाहनों पर 10 से 15 या उससे अधिक चालान लंबित पाए जाते हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है। वहीं यदि किसी वाहन चालक को लगता है कि उसका चालान गलत तरीके से जारी किया गया है तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करा सकता है। जांच में चालान गलत पाए जाने पर उसमें आवश्यक सुधार किया जाएगा।

फिलहाल यह व्यवस्था रामबाग सर्किल पर परीक्षण के तौर पर लागू की गई है। ट्रायल सफल रहने पर इसे शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी लागू करने पर विचार किया जा सकता है। इस संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस प्रशासन और यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि नई तकनीक के उपयोग से यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

मदरसा बागो बहार में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए बदनपुरा स्थित मदरसा बागो बहार में रविवार को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श, दवा वितरण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कुल 540 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श एवं दवा वितरण की सुविधा का लाभ उठाया। वहीं आयोजित रक्तदान शिविर में 42 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश सचिव एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग, इमरान कुरैशी, राजलक्ष्मी महिला कॉपरेटिव बैंक के सीईओ इकबाल खान रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में नाथू सिंह गुर्जर, पार्षद प्रतिनिधि शाकिर खान, पूर्व पार्षद शफीक कुरैशी तथा डॉ. फरहद चौधरी उपस्थित रहे। शिविर का आयोजन बाबू अंसारी एवं डॉ. यासीन अली के नेतृत्व में किया गया। एनएचबीएच हॉस्पिटल की ओर से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया।आयोजकों ने बताया कि ऐसे जनसेवा कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। शिविर की सफलता में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयं सेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भिश्ती समाज में चुनावी प्रक्रिया तेज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भिश्ती समाज एकता मंच, जयपुर (राजस्थान) के तत्वावधान में आगामी 12 जुलाई 2026 को भिश्ती (अब्बासी) समाज के चुनाव आयोजित किए जाएंगे। चुनाव की नामांकन प्रक्रिया 18 जून 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है। दिनांक 20 जून 2026 को भिश्ती समाज एकता मंच के चुनाव हेतु तीन महत्वपूर्ण पदों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इसमें: एडवोकेट अब्दुल हकीम खां अब्बासी ने अध्यक्ष पद के लिए, मोहम्मद सलीम ने महासचिव पद के लिए, जाकिर हुसैन अब्बासी ने कोषाध्यक्ष पद के लिए अपना-अपना नामांकन प्रस्तुत किया। सभी प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी जाहिद अली सिद्दीकी को विधिवत सौंपे। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोग एवं उपस्थित सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, लोकतांत्रिक एवं समाज की एकता को मजबूत करने वाला कदम बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। सभी ने आशा व्यक्त की कि 12 जुलाई को होने वाला यह चुनाव भिश्ती (अब्बासी) समाज के इतिहास में एक नया अध्याय स्थापित करेगा तथा समाज में संगठन, शिक्षा, भाईचारे और तरक्की को नई दिशा प्रदान करेगा।

राजस्थान में सरकार नहीं, सर्कस चल रहा है - खाचरियावास

-जब मंत्री ही न्याय मांगने एसीबी पहुंचे, तो समझिए सरकार फैल हो चुकी है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा की मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय पहुंचते है, राज्य का एक कैबिनेट मंत्री खुद एसीबी कार्यालय जाकर कह रहा है कि यदि मैं दोषी हूं तो मुझे गिरफ्तार कर लो। इससे बड़ी विडंबना और सरकार की विफलता का उदाहरण कोई नहीं हो सकता।

राजस्थान में सरकार नहीं, बल्कि एक सर्कस चल रहा है!

खाचरियावास ने कहा कि मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि आखिर उनकी ही सरकार का मंत्री किसके खिलाफ लड़ रहा है और किससे न्याय मांग रहा है। यदि मंत्री स्वयं यह कह रहे हैं कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है, तो यह भाजपा सरकार के भीतर व्याप्त गुटबाजी, अविश्वास और सत्ता संघर्ष को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग मुख्यमंत्री के पास है, पूरी प्रशासनिक मशीनरी भाजपा सरकार के नियंत्रण में है, फिर भी एक मंत्री को एसीबी के दरवाजे पर जाकर अपनी बात रखनी पड़ रही है। इससे स्पष्ट है कि सरकार के भीतर न समन्वय बचा है और न ही जवाबदेही। खाचरियावास ने बीज निगम के डायरेक्टर की नियुक्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिस व्यक्ति की नियुक्ति की गई, उसके पास से 2 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि बरामद हुई। यह मामला केवल भ्रष्टाचार का नहीं, बल्कि सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि ऐसे लोगों को संरक्षण किसके इशारे पर मिला।

खाचरियावास ने कहा कि आज राजस्थान की जनता महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझ रही है, जबकि भाजपा सरकार आपसी खींचतान और राजनीतिक संघर्ष में उलझी हुई है। सरकार के मंत्री ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं, जिससे यह साबित हो गया है कि भाजपा सरकार पूरी तरह दिशाहीन और असफल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है तथा मुख्यमंत्री से आग्रह करती है कि जनता के सामने सच रखा जाए कि आखिर सरकार के भीतर चल क्या रहा है।

'जय श्रीराम बोलोगे, तभी मिलेगी पूड़ी...', मुस्लिम से जबरन लगवाए धार्मिक नारे

सिद्धार्थनगर/यूपी। मोहर्रम त्योहार से पहले उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से एक घटना सामने आई। यहां कथित तौर पर एक मुस्लिम व्यक्ति से कुछ लोगों ने जबरन 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए हैं। बताया जा रहा है कि भंडारे का प्रसाद लेने पहुंचे मुस्लिम व्यक्ति से बीजेपी नेता ने पहले जय श्रीराम का नारा लगवाया गया, फिर उसे प्रसाद दिया गया है। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो जिले के भनवापुर ब्लॉक का बताया जा रहा है। यहां सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष और डुमरियागंज के भाजपा के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के करीबी लव कुश ओझा ने कथित तौर पर भंडारे का प्रसाद लेने पहुंचे एक मुस्लिम व्यक्ति से जय श्रीराम और जय श्री कृष्ण के नारे धार्मिक लगवाए।

पूर्व बीजेपी विधायक ने कराया था भंडारे का आयोजन

बताया गया कि डुमरियागंज कस्बे में पूर्व भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। जहां पर सभी श्रद्धालु प्रसाद लेने के लिए आ रहे थे। इस बीच एक मुस्लिम व्यक्ति इस विशाल भंडारे पर प्रसाद खाने आ गया। इस पर वहां प्रसाद परोस रहे लव कुश ओझा ने मुस्लिम व्यक्ति से धार्मिक नारे लगाने के बाद प्रसाद देने की बात कही।

'जय श्रीराम का नारा लगाने पर मिलेगी पूड़ी'

वीडियो में लव कुश ओझा नाम का व्यक्ति मुस्लिम व्यक्ति से कह रहा है कि 'अगर प्रसाद लेना है तो जय श्री राम और जय श्री कृष्ण का जय घोष करना होगा। इस मुस्लिम व्यक्ति के जय श्री राम और जय श्री कृष्ण का जय घोष करने के बाद उसे पूरी सब्जी की थाली दी गई। आपको बताते चलें कि पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के करीबी लव कुश ओझा पर पहले भी मुस्लिम के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप लग चुके हैं।

हिंदू अभिभावकों के लिए मस्जिदों के दरवाजे खोले

-साथ में चाय, ठंडे पानी और नाश्ते की व्यवस्था की

भिवंडी। भिवंडी (महाराष्ट्र) में NEET परीक्षा के दौरान इंसानियत और आपसी भाईचारे की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। दूर-दराज से आए परीक्षार्थियों के हिंदू अभिभावकों के लिए दारुल उलूम दीनियात और मस्जिद के जिम्मेदारों ने अपने दरवाजे खोल दिए। तपती गर्मी के बीच मस्जिद कमेटी ने इन अभिभावकों के ठहरने, आराम करने के साथ-साथ चाय, ठंडे पानी और नाश्ते का बेहतरीन इंतजाम किया। इस निस्वार्थ मेहमाननवाजी ने सभी का दिल जीत लिया। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वापसी का समय आया, तो नज़ारा बेहद भावुक कर देने वाला था। कृतज्ञता और सम्मान से भरे हिंदू अभिभावकों ने नम आंखों से मस्जिद के जिम्मेदारों के पैर छूकर उनका दिल से शुक्रिया अदा किया। यह वाकया समाज को नफरत के खिलाफ मोहब्बत और एकता का एक गहरा पैगाम देता है।

कूड़े के ढेर पर भोजन तलाशती दिखीं गायें

- स्थानीय लोगों ने निगम की सफाई व्यवस्था पर उठाए सवाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के चांदपोल, स्टेशन रोड के रिहायशी इलाके में कूड़े के ढेर के बीच भोजन तलाशती गायों का मामला सामने आया है। क्षेत्र में फैली गंदगी और खुले में पड़े कचरे को लेकर स्थानीय लोगों ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि कचरा नियमित रूप से नहीं उठाया जा रहा, जिसके कारण सड़क किनारे गंदगी जमा हो रही है और आवारा पशु उसी में भोजन खोजने को मजबूर हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, कचरा वाहन समय पर नहीं आने से लोग मजबूरी में कचरा सड़क किनारे डाल देते हैं। उनका आरोप है कि कई दिनों तक कचरा पड़ा रहता है, जिससे दुर्गंध फैलती है और कुत्ते तथा गाय जैसे पशु उसमें भोजन तलाशते दिखाई देते हैं।

क्षेत्र के कुछ लोगों ने बताया कि आसपास की दुकानों और घरों से निकलने वाला कचरा भी इसी स्थान पर फेंका जाता है। निवासियों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। मौके पर मौजूद लोगों ने दावा किया कि सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार मांग उठाई गई, लेकिन कचरा निस्तारण की व्यवस्था प्रभावी नहीं होने से हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय नागरिकों ने नियमित कचरा उठान, साफ-सफाई और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय पर कचरा उठाया जाए और लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए, तो गंदगी की समस्या के साथ-साथ पशुओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को भी कम किया जा सकता है।

भंडारे में 'जय श्रीराम' नारा लगवाकर मुसलमान को खाना खिलाना, भाईचारा नहीं, नफरत फैलाने की साजिश है: मौलाना

लखनऊ। लखनऊ में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सिद्धार्थनगर जिले में हुई एक घटना को लेकर सांप्रदायिकता फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। मौलाना ने कहा कि एक व्यक्ति ने भंडारे का खाना खिलाने के लिए मुसलमान को 'जय श्रीराम' का नारा लगाने को मजबूर किया, जो भाईचारे और कौमी एकता के खिलाफ है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, "सिद्धार्थनगर के लवकुश ने एक मुसलमान को भंडारे का खाना खिलाया और यह कहते हुए कि तुम्हें 'जय श्रीराम' का नारा लगाना होगा। खाना देने से पहले नारे लगवाए गए। यह भाईचारा नहीं है। यह कौमी एकता नहीं है। यह नफरत को बढ़ावा देना है।" उन्होंने आगे कहा कि यह पूरे भारत के लोगों को दिखाने की कोशिश है कि मुसलमानों को किस तरीके से जलील करके भंडारा खिलाया जाता है और रुसवा किया जाता है। मौलाना ने इसे फिरकापरस्ती और सांप्रदायिक सोच बताया।

मुसलमानों को दी सलाह

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने मुसलमानों से अपील की कि वे इस तरह के आयोजनों में बिल्कुल न जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम मोहब्बत के पैमाने को तोड़ रहे हैं और सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहे हैं। बता दें कि हाल ही में सिद्धार्थनगर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक भंडारा कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर मुस्लिम व्यक्ति से जय श्रीराम का नारा लगवाने की बात सामने आई। मौलाना रजवी बरेलवी विपक्षी दलों और मुस्लिम संगठनों के मंचों पर सक्रिय रहते हैं और अक्सर सांप्रदायिक मुद्दों पर बयान देते रहते हैं। बरेलवी संप्रदाय के प्रमुख धार्मिक नेताओं में शुमार मौलाना रजवी का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, इस घटना की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हुई है और स्थानीय प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

स्थानीय प्रशासन अलर्ट

मौलाना के बयान से उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। भाजपा और हिंदू संगठनों की ओर से इस बयान की निंदा होने की संभावना है। वहीं कुछ विपक्षी नेता और मुस्लिम संगठन इसे सही बता रहे हैं।

जीडीपी का 6 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित किया जाए : सलीम

-व्यापारीकरण और केंद्रीकरण के चलन उचित नहीं

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के तहत मर्कज़ी तालीमी बोर्ड के अध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद सलीम ने कहा कि देश में सरकारी शिक्षा से राज्य का धीरे-धीरे पीछे हटना, शैक्षिक संस्था का बढ़ता व्यापारीकरण और शैक्षिक प्रणाली में केंद्रीकरण का चलन भविष्य के लिए गंभीर खतरे पैदा कर रहा है। उन्होंने मांग की कि शिक्षा पर खर्च को तुरंत बढ़ाकर सकल घरेलु उत्पाद का कम से कम 6 फीसद किया जाना चाहिए और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को मज़बूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने नीति आयोग की हाल ही में जारी 200 पन्नों की रिपोर्ट "भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली: गुणवत्ता में सुधार के लिए सामयिक विश्लेषण और नीतिगत रोडमैप" पर तालीमी बोर्ड द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय ऑनलाइन सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कहीं। इस सेमिनार में देश भर से शिक्षाविद्, संस्थागत प्रमुख और शोधकर्ता शामिल हुए।

प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने कहा कि मौजूदा नीतिगत चलन से पता चलता है कि राज्य धीरे-धीरे अपनी शैक्षिक ज़िम्मेदारियों से पीछे हट रहा है और शिक्षा को तेज़ी से प्राइवेट और कॉर्पोरेट सेक्टर को सौंपा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा एक बुनियादी सार्वजनिक अधिकार है और इसे मुनाफ़ा कमाने वाला कारोबार बनने से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि उच्च शिक्षा, रिसर्च और डॉक्टरेट की पढ़ाई के लिए पर्याप्त फ़ंडिंग होनी चाहिए; शिक्षण संस्थानों में कॉर्पोरेट दखल को सीमित किया जाना चाहिए; पाठ्यक्रम में सांप्रदायिक सोच को हतोत्साहित किया जाना चाहिए; और संवैधानिक मूल्यों—न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व—को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

मर्कज़ी तालीमी बोर्ड के सेक्रेटरी सैयद तनवीर अहमद ने कहा कि हालांकि नीति आयोग की रिपोर्ट समस्याओं की सही पहचान करती है लेकिन यह समाधान के लिए कोई स्पष्ट और अमली रोडमैप पेश नहीं करती है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि शिक्षक साल में औसतन 28 दिन गैर-शैक्षणिक सरकारी कामों में बिताते हैं जिससे क्लासरूम में पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है।

सेमिनार में मर्कज़ी तालीमी बोर्ड के कोऑर्डिनेटर और रिसर्चर ज़फ़र-उल-हक़ ने नीति आयोग के डेटा का विश्लेषण पेश किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि 14.71 लाख स्कूलों, 24.69 करोड़ छात्रों और 1 करोड़ शिक्षकों के होने के बावजूद, बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान का स्तर चिंताजनक रूप से कमज़ोर बना हुआ है। उन्होंने बताया कि तीसरी कक्षा के 27 फीसद, पांचवीं कक्षा के लगभग 50 फीसद और सातवीं कक्षा के 71 फीसद छात्र दूसरी कक्षा के स्तर का आसान टेक्स्ट भी नहीं पढ़ पाते हैं। इसी तरह, कक्षा 3 के 35 फीसद, कक्षा 5 के 30 फीसद और कक्षा 8 के 45 फीसद छात्र भाग (division) के बुनियादी सवाल हल नहीं कर पाते हैं। ज़फ़र-उल-हक़ ने बुनियादी सुविधाओं में भारी कमियों की ओर भी इशारा किया: 1 लाख 19 हज़ार स्कूलों में बिजली नहीं है, 14 हज़ार स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है, लगभग 98 हज़ार स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, 1 लाख से ज़्यादा स्कूल सिर्फ़ एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं और करीब 8 हज़ार स्कूलों में कोई भी छात्र एनरोल नहीं है।

सेमिनार के समापन पर प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने घोषणा की कि मर्कज़ी तालीमी बोर्ड विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संगठनों के सहयोग से एक व्यापक नीति का मसौदा तैयार करेगा। शिक्षा प्रणाली में ज़रूरी सुधार सुनिश्चित करने के लिए यह ड्राफ़्ट केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और राज्य शिक्षा विभागों को सौंपा जाएगा।

नगर निगम में भ्रष्टाचार का बोलबाला

-पशुधन निरीक्षक 5 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर नगर निगम में बिना रिश्वत के कोई काम नही होता है। ऐसा ज्यादातर जयपुरवासियों का मानना है। सड़कों की सफाई हो या नालियों की सफाई, सड़क निर्माण हो पट्टे बनाने में रिश्वत, मीट के कारोबारियों को लाइसेंस देने में रिश्वत आम बात है। इसी तरह 19 जून,2026 को एसीबी जयपुर में पशु प्रबंधन शाखा नगर निगम जयपुर के पशुधन निरीक्षक को सुरेंद्र कुमावत को 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। भ्रष्टचार निरोधक ब्यूरो की एसीबी चौकी एसआईयू को एक शिकायत मिली। जिसमें परिवादी ने शिकायत में बताया कि चिकन शॉप का लाइसेंस जारी करने के बाद लाइसेंस जारी करने के एवज

में परिवादी से 6 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर डॉ. रामेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी मुख्यालय के सुपरविजन में एसआईयू के महावीर सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में रघुवीर शरण पुलिस निरीक्षक मय टीम के ट्रैप कार्रवाई करते हुए सुरेन्द्र कुमावत पशुधन निरीक्षक पशु प्रबंधन शाखा नगर निगम जयपुर को 5 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

बिहार में मदरसों पर छिड़ी रार, "जांच से ऐतराज नहीं, लेकिन बार-बार क्यों?"

पटना। उत्तर प्रदेश के बाद बीजेपी शासित बिहार में मदरसों की जांच का मुद्दा तूल पकड़ने लगा है। एक तरफ सरकार का कहना है कि जांच का मकसद तालीमी निजाम और काम का जायजा लेना है, वहीं दूसरी ओर मदरसा प्रबंधन और कुछ जनप्रतिनिधि यह सवाल उठा रहे हैं कि जिन संस्थानों की पहले ही जांच हो चुकी है, उन्हें बार-बार जांच के दायरे में लाने की क्या जरूरत है?

"मदरसों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच से किसी को नहीं है ऐतराज"

सरकार के आदेश के बाद राज्य के कई मदरसों में हलचल देखी जा रही है। इसी बीच मदरसा फलाहुल मुस्लेमीन के सद्र मुफ़्ती अबूज़र का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मदरसे लंबे समय से तालीम और समाज सुधार का काम कर रहे हैं। मुफ़्ती अबूज़र के मुताबिक, अगर जांच नियमों के दायरे में, निष्पक्ष तरीके से और पारदर्शिता के साथ की जाती है तो किसी को इससे ऐतराज नहीं होनी चाहिए। मुफ़्ती अबूज़र ने कहा कि मदरसे तालीम के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाते रहे हैं और जांच प्रक्रिया का मकसद निजाम को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी और इससे तालीम निजाम को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मदरसों की बार-बार जांच पर बिहार विधान परिषद के सदस्य ने जताई चिंता

इस बीच बिहार विधान परिषद के टीचर हल्के के मेंबर प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है। उन्होंने 15 जून को बिहार के शिक्षा मंत्री को चिट्ठी लिखकर राज्य के 1128 मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त मदरसों की बार-बार जांच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि जिन मदरसों की नियमों के तहत पहले ही जांच पूरी हो चुकी है, उन्हें दोबारा जांच प्रक्रिया से बाहर रखा जाए। अपनी चिट्ठी में प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कहा है कि राज्य के 1128 मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त मदरसों का सत्यापन और निरीक्षण डिपार्टमेंटल सर्कुलर 19 दिसंबर 1977 के तहत पहले ही पूरा किया जा चुका है। इसी आधार पर सालों से टीचर्स और नान टीचिंग स्टाफ की सैलरी का भुगतान भी किया जा रहा है। ऐसे में एक ही संस्थान की बार-बार जांच मुनासिब नहीं मानी जा सकती।

"तय मानकों को पूरा कर चुके मदरसों को जांच से मिले छूट"

प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने एजुकेशन डिपार्टमेंट से अनुरोध किया है कि जो मदरसे पहले से तय मानकों को पूरा कर चुके हैं, उन्हें दोबारा जांच से छूट दी जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रशासनिक कारणों से टीचर्स और कर्मचारियों की सैलरी पर कोई असर न पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार जांच और सत्यापन की प्रक्रिया से मदरसा टीचर्स और कर्मचारियों पर बेवजह सरकारी बोझ बढ़ता है। कई बार जांच पूरी होने तक सैलरी का भुगतान नहीं हो पाता है। चिट्ठी में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि कई मामलों में जांच के नाम पर महीनों और कभी-कभी सालों तक सैलरी नहीं मिल पाती, जिससे टीचर्स और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसका सीधा असर उनके परिवारों पर भी पड़ता है।

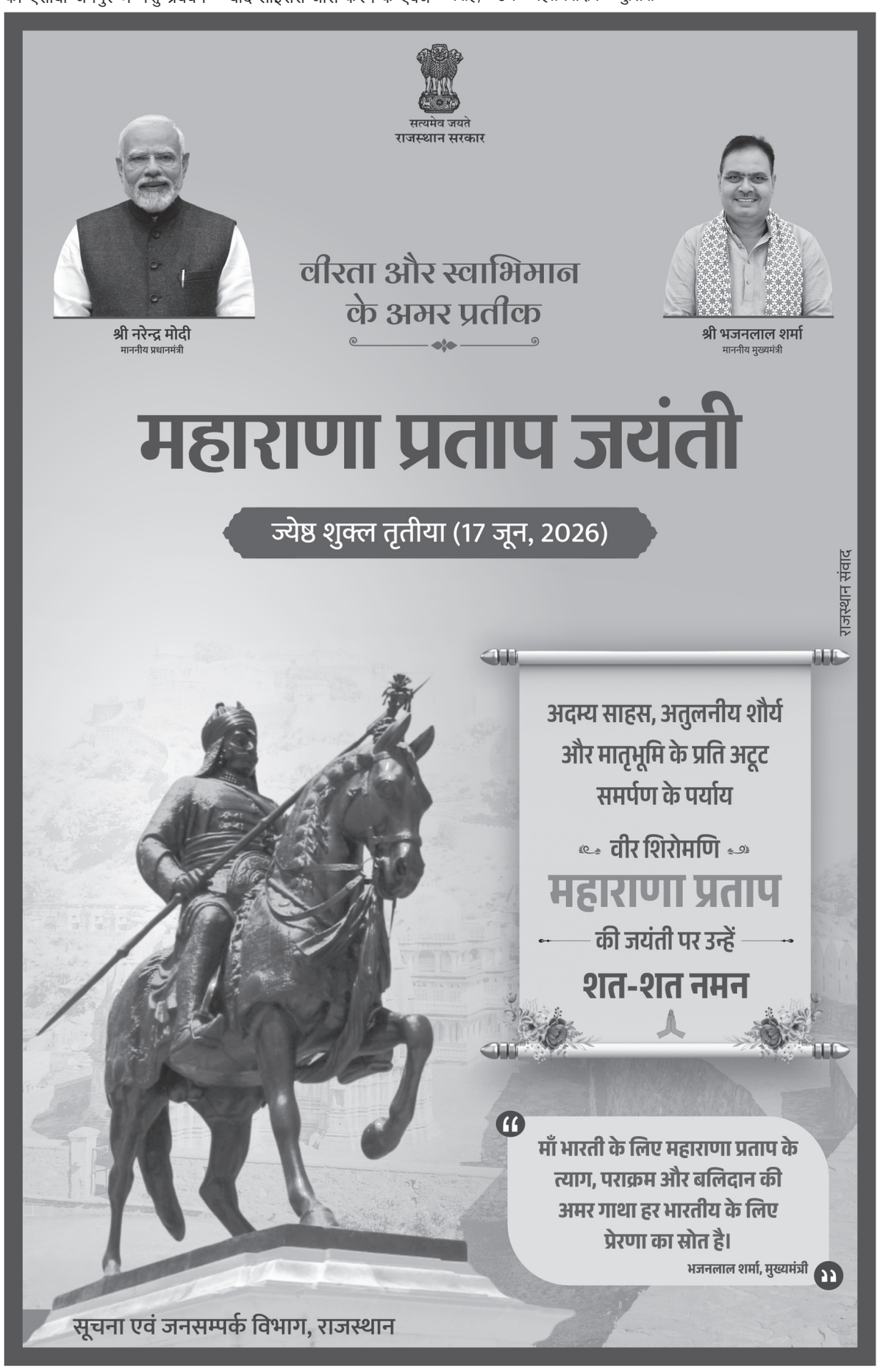

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

123. 'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' की स्थापना कब हुई?
(A) 1930 ई. (B) 1934 ई.
(C) 1936 ई. (D) 1939 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना 1934 में जयप्रकाश नारायण और आचार्य नरेंद्र देव ने की थी।

124. 'किसान सभा' की स्थापना किसने की?
(A) सरदार पटेल (B) एन.जी. रंगा
(C) लाल बहादुर शास्त्री
(D) गोखले
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1936 में एन.जी. रंगा ने अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना की।

125. 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान गांधीजी को कहाँ गिरफ्तार किया गया था?
(A) दिल्ली (B) अहमदनगर
(C) बंबई (D) पुणे
उत्तर: (D)
व्याख्या: गांधीजी को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पुणे के आगा खान पैलेस में बंदी बनाया गया था।
मध्यकालीन भारत (Medieval India)

126. दिल्ली सल्तनत की स्थापना किसने की थी?
(A) इल्तुतमिश
(B) कुतुबुद्दीन ऐबक
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) बलबन
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में गुलाम वंश की स्थापना की, जिससे दिल्ली सल्तनत का आरंभ हुआ।

127. कुतुबमीनार का निर्माण किसने प्रारंभ किया था?
(A) इल्तुतमिश
(B) कुतुबुद्दीन ऐबक
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) फीरोजशाह तुगलक
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने प्रारंभ किया और इसे इल्तुतमिश ने पूरा करवाया।

128. इल्तुतमिश ने किस सिक्के की शुरुआत की थी?
(A) रुपया (B) टंका
(C) दीनार (D) अशर्फी
उत्तर: (B)
व्याख्या: इल्तुतमिश ने 'टंका' (चाँदी का सिक्का) और 'जीतल' (तांबे का सिक्का) चलाया था।

129. 'सिकंदर-ए-सानी' की उपाधि किसे दी गई थी?
(A) बाबर (B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) अकबर (D) औरंगजेब
उत्तर: (B)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी को उनकी विजयों के कारण 'सिकंदर-ए-सानी' कहा गया था।

130. किस सुल्तान ने 'मार्केट कंट्रोल' नीति अपनाई थी?
(A) इल्तुतमिश (B) बलबन
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) मोहम्मद बिन तुगलक
उत्तर: (C)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 'मार्केट कंट्रोल' नीति लागू की थी।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

जॉब्स खबर

BSNL में 100 पदों पर आवेदन शुरू

भारत सरकार की टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने 100 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन के लिए विंडो 4 जुलाई से 11 जुलाई तक खुली रहेगी।

आवेदन शुरू :
04 जून से 03 जुलाई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो, कंप्यूटर, विद्युत, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या इंस्ट्रूमेंटेशन विषयों में से किसी एक में इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष योग्यता या एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) या एमएससी (कंप्यूटर साइंस) होना चाहिए। वहीं कुछ विषयों में एमटेक की डिग्री प्राप्त कर चुके उम्मीदवार भी अप्लाई कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
यूआर/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 2,000 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : 1,000 रुपए

सैलरी:
45,000 - 55,000 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाएं।

पंजाब में 6,289 पदों पर निकली भर्ती

पीएसपीसीएल ने असिस्टेंट लाइनमैन के 6,289 पदों पर भर्ती निकाली है। आवेदन 15 जून 2026 से शुरू होंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.pspcl.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
15 जून से 09 जुलाई 2026 तक

सैलरी :
19,990 रुपए प्रतिमाह

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 37 साल

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी और अन्य : 1,416 रुपए + बैंक शुल्क
एससी, पीडब्ल्यूडी : 885 रुपए + बैंक शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.pspcl.in पर जाएं।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।

हेल्थ अपडेट्स

हर दिन सुबह बनाना शेक पीने से मिलते हैं कई फायदे

केला दुनिया का सबसे ज्यादा खाया जाने वाला फल है। नवरात्र के उपवास हों, या बैचलर्स और जिमगोअर्स का नाश्ता, केले से ही पेट पूजा होती है। केला एक ऐसा पौष्टिक फल है। इसे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें फाइबर, विटीमिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे बच्चों से लेकर बड़े दोनों खाना पसंद करते है। वहीं अगर इसे दूध के साथ मिलाकर बनाना शेक के रूप में लिया जाता है तो इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। सुबह की शुरुआत में एक गिलास बनाना शेक से हो जाए तो आपको दिन भर के ऊर्जा मिलती है। यह एक स्वादिष्ट और पौष्टिक पेय है, जो न सिर्फ बच्चों बल्कि बड़ों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। बनाना शेक में केला और दूध, दोनों के पोषक तत्व होते हैं, जिससे यह एक तरह का पावरहाउस बन जाता है।

तुरंत ऊर्जा का स्रोत

बनाना शेक शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। केले में मौजूद प्राकृतिक शर्करा जैसे ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज, शरीर को तेजी से एनर्जी देते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त रखे

केले में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक है। बनाना शेक का नियमित सेवन कब्ज और पेट से जुड़ी अन्य समस्याओं को दूर रखता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

दूध कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। बनाना शेक पीने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम मिलता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

मुस्लिमों से नफरत के चलते इजराइल बर्बादी की ओर

किसी भी व्यक्ति, समाज या देश में यदि नकारात्मकता आ जाए तो वह किसी वयक्ति, समाज, धर्म और देश से नफरत करने लगता है। नफरत के चलते वह अपने व्यक्तिगत विकास समाज के विकास एवं देश के विकास को भूलकर वह उस व्यक्ति, समाज, धर्म एवं देश के बारे में ज्यादा सोचने लगता है और उसके कमजोर करने, बर्बाद करने के बारे में ही फोकस करता है। विश्व में एक देश है इजराइल जिसमें यहूदी धर्म के लोग रहते है। यहूदी बहुत मेहनती और दिमाग के तेज माने जाते है। हिटलर ने जर्मनी में 60 लाख यहूदियों को मार दिया था। इसके पीछे कहा जाता है कि उस समय यहूदी जर्मन के ईसाइयों को बर्बाद करने की योजना बनाकर काम करते थे। हिटलर ने यहूदियों की योजना पूरी होने से पहले ही करीब 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी थी। जर्मनी से कुछ हजार यहूदी भागकर फिलिस्तान आ गए और फिलिस्तीनियों से शरण मांगी थी। फिलिस्तीनियों ने यहूदियों के उस बुरे वक्त में उनका साथ दिया और अपने देश में उन्हें बसाया। इसके बाद में यहूदियों ने बहुत मेहनत की और तेजी से आर्थिक और बौद्धिक विकास किया। यहूदियों की बौद्धिकता के चर्चे दुनियाभर में प्रसिद्ध थे। उन्होंने फिलिस्तीनियों के अधिकारों को छीनना शुरू कर दिया। उनकी जमीनों पर कब्जा करना जारी रखा और आगे चलकर यहूदियों का अलग देश इजराइल बना लिया। यहूदियों ने अपना अलग देश बनाने के बाद भी फिलिस्तीन के लोगों की जमीनों पर कब्जा करना जारी रखा। धीरे-धीरे इजराइल के यहूदी ताकतवर हो गए और फिलिस्तीनियों पर अत्याचार करने लगे। इजराइल की ताकत बढ़ती गई और वह पड़ोसी मुस्लिम देशों के प्रति नकारात्मक रवैया रखने लगा। वहीं मुस्लिम धर्म और मुसलमानों से जुनूनी नफरत में डूब गया। इजराइल ने विश्व के मुसलमानों को बदनाम करने के लिए प्रोपेगेंडा चलाया और उनके आतंकवादी और अशांति का पर्याय बताने की कोशिश की। विश्व के कई देश, समूहों और धार्मिक लोगों से मिलकर मुसलमानों को बर्बाद करने की गतिविधियां चलाई गई। इजराइल किसी न किसी बहाने से लाखों मुसलमानों की हत्या कर चुका है। मुसलमानों के प्रति नफरत में डूबा हुआ है। प्रकृति का नियम माने या ईश्वर का सिद्धांत कि नफरत करने वाले एक दिन स्वयं या दूसरे के द्वारा बर्बाद कर दिए जाते है। यही इजराइल के साथ हो रहा है। नफरत के चलते इजराइल ने विश्व में मुस्लिम समुदाय, समाज और देशों को बर्बाद करने की कोशिश की, लेकिन वर्तमान में वहीं इजराइल मुसलमानों के हाथ या मुस्लिम देशों के हाथ बर्बाद होने की ओर बढ़ रहा है। इजराइल की बर्बादी निश्चित मानी जा रही है। वर्तमान में आधा इजराइल ईरान, हिजबुल्लाह और हमास की बमबारी से खंडर और नष्ट हो चुका है। इसके बाद भी नफरत में डूबा हुआ है। इसलिए कहा जा सकता है कि सकारात्मक और प्रेम मोहब्बत करने वाला व्यक्ति समाज और देश में आगे बढ़ता है और नकारात्मक और नफरत करने वाला व्यक्ति बर्बाद हो जाता है।

युवाओं के लिए नेतृत्व के मार्ग प्रशस्त करना: एक बेहतर समाज की कुंजी

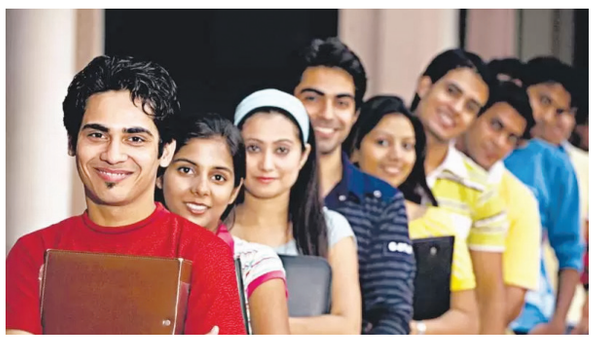

युवाओं को अक्सर राष्ट्र की शक्ति और भविष्य की आशा के रूप में वर्णित किया जाता है। उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और उत्साह में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति होती है। इतिहास में, ऐसे युवाओं ने, जिन्होंने स्वयं से परे सोचने का साहस किया, कई सामाजिक आंदोलनों, वैज्ञानिक खोजों और सामुदायिक विकास पहलों का नेतृत्व किया है। हालांकि, युवाओं को परिवर्तन का वाहक बनने के लिए, उन्हें स्पष्ट नेतृत्व मार्गों की आवश्यकता है जो उन्हें कौशल, आत्मविश्वास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में मदद करे। प्रत्येक पीढ़ी को कुछ चुनौतियां और अवसर विरासत में मिलते हैं।

नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे ईमानदारी, न्याय और करुणा के साथ लोगों की सेवा करें। कुरान कहता है, "निस्संदेह, अल्लाह तुम्हें आदेश देता है कि तुम अमानत उन लोगों को सौंपो जिनके लिए वह उचित है और जब तुम लोगों के बीच फैसला करो तो न्याय के साथ फैसला करो"।

युवाओं के लिए नेतृत्व के मार्ग बनाने के लिए परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक संगठनों और धार्मिक नेताओं के प्रयासों की आवश्यकता है। युवाओं को सीखने और योगदान देने के अवसरों की आवश्यकता है। नेतृत्व के लिए ज्ञान आवश्यक है। युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संचार, लोक प्रशासन, समाज सेवा और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब ने कहा, "इल्म हासिल करना प्रत्येक मुसलमान का कर्तव्य है" इल्म युवाओं को समस्याओं की पहचान करने और समाज के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाता है। आधुनिक समाज अक्सर नेतृत्व को प्रसिद्धि या अधिकार से जोड़ता है। भविष्य के युवा नेता वंचित बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करके, स्वच्छता/पर्यावरण अभियान आयोजित करके, अंतरधार्मिक संवाद और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देकर, समाज के बुजुर्गों या कमजोर सदस्यों की सहायता करके, साक्षरता और डिजिटल जागरूकता को प्रोत्साहित करके आदि इस आदर्श का अनुसरण कर सकते हैं। ऐसे कार्य भले ही छोटे लगें, लेकिन वे सार्थक परिवर्तन लाते हैं और समुदायों को मजबूत करते हैं।

मजबूत चरित्र भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ईमानदारी, धैर्य, विनम्रता और जवाबदेही प्रभावी नेतृत्व की नींव हैं। किसी भी समाज का भविष्य उसके युवा नेताओं की गुणवत्ता पर बहुत हद तक निर्भर करता है। युवाओं के लिए नेतृत्व के मार्ग प्रशस्त करना केवल भावी राजनेताओं या प्रशासकों को तैयार करना नहीं है; बल्कि यह ऐसे जिम्मेदार व्यक्तियों का पोषण करना है जो ज्ञान और करुणा के साथ अपने समुदायों की सेवा कर सकें। इसके अलावा, ज्ञान, जिम्मेदारी, सेवा, न्याय और अच्छे चरित्र पर जोर देकर युवा नेतृत्व के लिए एक सशक्त ढांचा प्रदान करता है।

इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना मोहर्रम

हिज़री साल की शुरुआत मोहर्रम के महीने से होती है और यह इस्लामिक साल के चार पवित्र महीनों में से यह एक पवित्र महीना है। इस्लाम में मुहर्रम को किसी शोक या मातम के महीने के रूप में नहीं मनाया जाता था। इसके बजाए पवित्र महीना होने से इस महीने में युद्ध करने से मनाही थी। आशुरा (10 मुहर्रम को) पर रोज़ा रखने का महत्व था। यह दिन नेक बंदों की कुर्बानी को याद करने का दिन था, लेकिन शोक का नहीं। आशूरा (10 मुहर्रम), जब हज़रत मूसा (अलैहिस्सलाम) और उनके अनुयायियों को फिरौन के अत्याचार से मुक्ति मिली थी। इसकी खुशी में पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम (PBUH) ने इस दिन रोज़ा रखा और दूसरों को भी ऐसा करने का निर्देश दिया। यह रोज़ा पिछले साल के छोटे-मोटे गुनाहों का कफ्फारा (प्रायश्चित) है (सही मुस्लिम)। आमतौर पर 9 और 10 मुहर्रम (तसुआ और आशूरा) या 10 और 11 मुहर्रम का रोज़ा रखा जाता है। यह नफ़िल (स्वैच्छिक) रोज़ा होता है। कर्बला के वाकिये के बाद बदलाव आया। कर्बला की लड़ाई (10 मुहर्रम 61 हिजरी/10 अक्टूबर 680 ईस्वी) में हुई थी, जिसमें हज़रत इमाम हुसैन की शहादत के बाद, मुहर्रम, विशेष रूप से मुसलमानों के लिए, शोक और मातम का महीना बन गया। इन दिनों में मुसलमान हज़रत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मातम मनाते हैं। आशूरा का दिन मुस्लिम समाज द्वारा सत्य, त्याग और अत्याचार के खिलाफ डटे रहने की मिसाल के रूप में देखा जाता है। कुछ सुन्नी परंपराओं में इस दिन रोज़ा रखने की बात भी मिलती है जो पूर्व से रही है, जबकि शिया परंपरा में यह मुख्यतः शोक और मातम का दिन है। कर्बला का वाकिया वर्तमान इराक के कर्बला शहर में हुआ था। मोहर्रम पर (इराक और ईरान) कर्बला और नजफ़ जैसे पवित्र स्थलों पर बड़ी मजलिसें, ज़ियारत, मातम और धार्मिक सभाएँ होती हैं।

मोहर्रम की 1 से 10 तारीख तक मजलिसें होती हैं, 7 से 10 तारीख के बीच शोक-कार्यक्रम ज्यादा हो जाते हैं, और 10 वीं तारीख यानि आशूरा का दिन सबसे अहम होता है। कई जगह लोग रोज़ा रखते हैं, नोहे-मर्सिया पढ़ते हैं, और इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद करते हैं। इस अवसर पर जुलूस, मजलिस, मातम, सबील, कर्बला की याद में आयोजन होते हैं, ताजियादारी भी होती है। संक्षेप में सब जगह मोहर्रम मनाने का तरीका एक जैसा नहीं है। कुछ जगह यह पूरी तरह शोक और मजलिस का रूप है, कुछ जगह जुलूस और ताजिया प्रमुख हैं, और कुछ देशों में यह मुख्य रूप से कर्बला की ऐतिहासिक स्मृति और सामूहिक धार्मिक सभा के रूप में मनाया जाता है। शिया परंपरा में लोग पहले 10 दिनों तक काले वस्त्र पहनते हैं, मजलिस (शोक सभाएं) आयोजित करते हैं, और आशूरा के दिन जुलूस निकालते हैं, जहां सीना-कोबी (मातम) की जाती है। कुछ समुदायों में आत्म-पीड़ा (जैसे जंजीर या तलवार से मातम) की परंपरा भी है, हालांकि कई प्रमुख शिया धर्म गुरुओं ने इसे रक्तदान जैसे विकल्पों से बदलने का आग्रह किया है। सुन्नी परंपरा में लोग रोज़ा रखते हैं। 10 मुहर्रम को विशेष नमाज़ और अधिक इबादत की जाती है।

भारत में मोहर्रम और ताजिये की परंपरा के बारे में अलग-अलग ऐतिहासिक मत मिलते हैं। यहां मोहर्रम पर ताजिया की परंपरा 14वीं शताब्दी के आस-पास शुरू हुई मानी जाती है। जब तैमूरलंग ने उत्तरी भारत पर हमला किया, तो वह अपनी सेना को हर साल कर्बला (इराक) नहीं ले जा सका। इसलिए, उसने कर्बला में इमाम हुसैन के मकबरे की एक प्रतिकृति (नकल) बनवाई। उसने इसे 'खाक-ए-शिफ़ा' (कर्बला की मिट्टी) से लेपित करवाया, जिसे उसने ख़ास तौर पर इराक से मंगवाया था। उसने इस प्रतिकृति को एक ऊँचे चबूतरे पर रखकर पूरी छावनी में घुमाया, और इसी के साथ ताज़िया बनाने और जुलूस निकालने की परंपरा शुरू हुई। दूसरे स्रोतों के अनुसार मुगलों के समय में, खासकर अकबर के दौर से, मुहर्रम के जुलूस और मजलिसें अधिक संगठित रूप में दिखाई देने लगीं। लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहासकार डॉ. रोशन तक़ी का मानना है कि तैमूर ने यह जुलूस दिल्ली में नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के किसी और स्थान पर निकाला था और भारत में ताज़िया के जुलूस मुग़ल बादशाह हुमायूँ के शासनकाल के दौरान लोकप्रिय हुए। ताज़िया बनाने की कला मुग़ल काल में फली-फूली। चिनियोट (पाकिस्तान) अपनी नक्काशीदार लकड़ी के ताज़ियों के लिए मशहूर है, जहाँ यह कला 17वीं सदी में आई। ताजिया एक प्रतीकात्मक ढांचा होता है, जिसे इमाम हुसैन की कर्बला स्थित दरगाह की याद में बनाया जाता है। भारत में कई जगह मोहर्रम के दिनों में जुलूस, मातम और मजलिसें, सबीलें आयोजित की जाती हैं। भारत में मोहर्रम केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि कई जगहों पर यह साझा सांस्कृतिक परंपरा भी बन गया । कुछ क्षेत्रों में अन्य समुदाय के लोग भी इसमें भाग लेते रहे हैं या स्थानीय परंपरा के रूप में इसे मानते आए हैं। यह सम्मान, शोक और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है।

भारत में यह परंपरा धीरे-धीरे फैली और बाद में कई शहरों, कस्बों और मोहल्लों में एक धार्मिक-सांस्कृतिक रिवाज़ बन गई। भारत में मोहर्रम की परंपरा लखनऊ, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, सूरत और अन्य कई शहरों में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाई जाती है। लखनऊ को खास तौर पर बड़े और ऐतिहासिक मोहर्रम जुलूसों के लिए जाना जाता है। ताजिया बनाने की तैयारी कई जगहों पर मुहर्रम से पहले ही शुरू हो जाती है, कभी-कभी दो महीने से भी पहले शुरुआत हो जाती है। बड़े ताजिये आम तौर पर बाँस और लकड़ियों से बनाए जाते हैं, फिर

उन्हें रंग-बिरंगे कागज़, पन्नी और सजावट से सुंदर बनाया जाता है। कुछ इलाकों में ताजिये में अनोखी स्थानीय कला दिखती है, जैसे गोरखपुर की गेहूं की ताजिया, जिसमें गेहूं के दाने, कपड़ा और विशेष सेटिंग पदार्थ का इस्तेमाल होता है। इसी प्रकार कोटा में राई का ताजिया, जयपुर से सटे सांभर कस्बे में एक अद्भुत परंपरा "सरसों का ताजिया" है। इससे पता चलता है कि ताजिया सिर्फ धार्मिक चीज़ नहीं, बल्कि लोक-कारीगरी का भी सुंदर उदाहरण है। ताजिया बनाने के कई चरण होते हैं इसमें सबसे पहले कारीगर ताजिये का आकार और डिज़ाइन तय करते हैं, फिर बाँस या हल्के ढांचे से उसका मूल ढांचा बनाते हैं। उसके बाद कपड़ा आदि चढ़ाया जाता है, कागज़ और पन्नी लगाई जाती है, और फिर किनारों, गुम्बद, मेहराब और फूलों जैसी सजावट की जाती है। ताजिया बनाने की कारीगरी बहुत बारीक और मेहनत वाली होती है। इसमें हाथ की सफाई, नाप-जोख, सजावट, और धैर्य—सब चाहिए।

मोहर्रम के जुलूसों में 'अलम' (ध्वज/पताका) और 'दुलदुल' (घोड़ा) दो प्रमुख, पवित्र प्रतीक हैं। ये दोनों कर्बला की घटना से जुड़ी वीरता, बलिदान और विश्वास की भावना को दर्शाते हैं। अलम' एक धातु (अक्सर पीतल या स्टील) से बना भव्य मानक या पताका होता है, जिसे मोहर्रम के जुलूसों में सिर के ऊपर उठाकर ले जाया जाता है। अलम मुख्य रूप से हज़रत अब्बास र.अ. (अलमदार) से जुड़ा है, जो इमाम हुसैन के सौतेले भाई और उनके वफादार झंडाबरदार थे। यह साहस, निष्ठा और आत्म-बलिदान का प्रतीक है। माना जाता है कि यह कर्बला में इस्तेमाल हुए युद्ध-मानक का प्रतीकात्मक रूप है। यह अक्सर तलवार के आकार का होता है, जो हज़रत अली की तलवार 'ज़ुल्फ़िकार' का प्रतीक है। इसे नक्काशीदार अरबी सुलेख से सजाया जाता है, जिसमें अल्लाह, मुहम्मद साहब, बीबी फातिमा, हज़रत अली, हसन और हुसैन अलैहिस्सलाम के नाम अंकित होते हैं। कुछ अलमों पर बारह इमामों के नाम और आध्यात्मिक सुरक्षा के लिए प्रार्थनाएँ भी उत्कीर्ण होती हैं। जुलूस में अलम को सबसे आगे ले जाया जाता है, जो प्रतिरोध और आस्था के बैनर के रूप में कार्य करता है। इसे कर्बला के शहीदों की याद में एक पवित्र अवशेष की तरह सम्मान दिया जाता है।

दुलदुल' (जिसे 'ज़ुल्जिनाह' भी कहा जाता है) उस ऐतिहासिक घोड़े का प्रतीक है, जिसे कर्बला में इमाम हुसैन ने अपने भाई हज़रत अब्बास र.अ. को दिया था। यह हज़रत अब्बास की उस अद्वितीय वफादारी की याद दिलाता है, जब वह वह प्यासे बच्चों के लिए पानी लाने गए और दोनों हाथ कट जाने के बाद भी मशक को दांतों से दबाए रखा। कहा जाता है कि घोड़े ने ही उन्हें वापस शिविर तक पहुँचाया था। यह इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों के साथ पानी के लिए तड़पने और अंततः शहीद होने का प्रतीक भी है। भारत में दुलदुल (या ज़ुल्जिनाह) की परंपरा कई प्रमुख शहरों में देखने को मिलती है, जहाँ यह प्रतीकात्मक घोड़ा मोहर्रम के जुलूसों का केंद्र होता है। इसे बहुत विनम्र और शांत रखा जाता है ताकि भीड़ में कोई खतरा न हो। मुहर्रम के जुलूसों में, दुलदुल को खूब सजाया जाता है और उसके माथे या शरीर पर खून के धब्बे जैसे कपड़े लपेटे जाते हैं, जो कर्बला में हुए संघर्ष और शहादत की याद दिलाते हैं। लोग दुलदुल के प्रति मन्नतें माँगते हैं।

इस घोड़े को दिया गया भोजन 'प्रसाद' की तरह तबर्रुक मानकर घर ले जाया जाता है और विश्वास है कि इससे मन्नतें पूरी होती हैं। ये दोनों प्रतीक इस्लाम के शिया संप्रदाय में प्रचलित है। दुलदुल का वाराणसी, उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक जुलूस, जो 8 थाना क्षेत्रों से होकर गुजरता है बहुत प्रसिद्ध और गौरवपूर्ण है। शहर की गलियों में लोग दूध, मेवा और जलेबी चढ़ाकर स्वागत करते हैं। महोबा (चरखारी), उत्तर प्रदेश में सन् 1856 से शुरू हुई 169 साल पुरानी 'दुलदुल सवारी' की परम्परा है। गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल, जहाँ सभी समुदाय इसके आयोजन में एक साथ भाग लेते हैं। श्रद्धालु जलेबी खिलाकर मन्नत माँगते हैं। लखनऊ, उत्तर प्रदेश, ऐतिहासिक नवाबी परंपरा से जुड़ा हुआ है और यहाँ बड़े और छोटे इमामबाड़ों में दुलदुल की विशेष देखभाल होती है। श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में 'ज़ुल्जिनाह' नाम से प्रसिद्ध, आशूरा के जुलूस का भावनात्मक और आध्यात्मिक केंद्र रहा है। पटना, बिहार ताज़ियों के साथ 'दुलदुल' की प्रतिकृति को तलवार, तीर-कमान से सजाकर जुलूस में निकाला जाता है। लद्दाख में यहाँ की 'हॉर्स ऑफ कर्बला' परंपरा का उल्लेख है, जो बौद्ध-मुस्लिम सांप्रदायिक संबंधों को दर्शाती है। दुलदुल की परंपरा मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश (वाराणसी, महोबा, लखनऊ) में बहुत प्रमुख है, लेकिन श्रीनगर, पटना और लद्दाख जैसे दूर-दराज़ के इलाकों में भी यह अपने स्थानीय रंग और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ जीवंत है।

जयपुर में ताजिया और जुलूस की परंपरा बहुत पुरानी और बहुत खास है। यहां "तकरीबन 300-350 ताजिए" शहर में निकलते हैं। मुहर्रम के दिनों में अलग-अलग मोहल्लों से ताजिए निकलते हैं, और बड़ा जुलूस बड़ी चौपड़ से होकर कर्बला तक जाता है। कई जगहों पर अखाड़ा जुलूस ताजिया के साथ-साथ निकाला जाता है। जिसमें में ताजिया जुलूस के साथ अखाड़े के लोग अखाड़े में लाठी आदि से पारंपरिक करतब भी दिखाते हैं। ताजिया शोक और श्रद्धा का प्रतीक होता है, जबकि अखाड़ा जुलूस में साहस, अनुशासन और परंपरागत कला दिखाई देती है। दोनों साथ निकलें तो वह मुहर्रम की स्थानीय सांस्कृतिक पहचान बन जाते हैं।

जयपुर का सबसे प्रसिद्ध ताजिया शाही ताजिया माना जाता है, जिसे महाराजा सवाई रामसिंह से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि इसे 1860 या 1868 के आस-पास बनवाया गया था और इसमें सोना-चांदी का इस्तेमाल हुआ था। यह ताजिया साधारण ताजिया नहीं है, बल्कि सोने-चांदी से बना एक शाही प्रतीक माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि इसमें लगभग 10 किलो सोना और 50 से 60 किलो चांदी का उपयोग किया गया है, और इसे बनवाने के लिए सहारनपुर से कारीगर बुलाए गए थे। यह शाही ताजिया मुहर्रम के जुलूस का सबसे खास आकर्षण माना जाता है। आशूरा की 10 तारीख को इसे परंपरागत रास्तों से ले जाया जाता है । लोक मान्यता के अनुसार राजा सवाई रामसिंह बहुत बीमार हुए थे, और किसी ने उन्हें ताजिये की मन्नत के बारे में बताया। जब उनकी सेहत बेहतर हुई, तो उन्होंने डेढ़ मण सोना-चांदी से ताजिया बनवाया और उसे मुस्लिम समाज को सौंप दिया। तब से मुस्लिम समाज इसकी देखभाल करता है। इस शाही ताजिया को हर साल मुहर्रम में निकाला जाता है, लेकिन इसे सामान्य ताजियों की तरह दफनाया नहीं जाता; इसे सुरक्षित रखा जाता है और अगली परंपरा के लिए संभाला जाता है। यह ताजिया केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि शहर की विरासत और शाही परंपरा का हिस्सा भी माना जाता है। इसी तर्ज पर मोहल्ला महावतान और जुलाहान ने भी छोटे सोने-चाँदी के ताजिये बनवाए हैं। दफनाए जाने वाले ताजिये अक्सर बाँस, कागज़, कपड़ा और सजावटी सामान से बनते हैं। सुरक्षित रखे जाने वाले ताजिये में कीमती सामग्री, शाही संरक्षण, और ऐतिहासिक पहचान जुड़ी होती है, इसलिए उनकी देखभाल अलग तरीके से होती है। जयपुर के ताजिये अपनी सुंदर बनावट, कई मंजिला रूप और बारीक सजावट के लिए जाने जाते हैं। इनकी सजावट में कागज़, पन्नी, कपड़ा, लकड़ी और धातु की चमक आदि का उपयोग होता है, जिससे वे बहुत आकर्षक दिखते हैं। ताजियों का जुलूस शोक और श्रद्धा का प्रतीक होता है। लोग इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं, ताजिया के जुलूस में विशेष ढोल, नगाड़ों पर मातमी धुनें बजाते हैं। जयपुर में मुहर्रम के जुलूस को कई लोग शहर की साझा संस्कृति और भाईचारे की मिसाल मानते हैं और अलग-अलग समुदाय इस परंपरा का सम्मान करते हैं।

ताजिया जुलूस के लिए प्रशासन की अनुमति/लाइसेंस लिया जाता है। बहुत-सी जगहों पर शांति व्यवस्था, तय रूट, समय, और भीड़-नियंत्रण के लिए यह जरूरी माना जाता है। इसके लिए स्थानीय थाना या जिला प्रशासन में आवेदन किया जाता है। जिसमें जुलूस की तारीख, समय और पूरा रूट-चार्ट की जानकारी होती है। इसमें कमेटी या अखाड़ा के जिम्मेदार लोगों के नाम, पता और मोबाइल नंबर देने होते हैं। अखाड़ा जुलूस के लिए भी अक्सर वही अनुमति लेनी होती है जो ताजिया जुलूस के लिए ली जाती है। कई जिलों में साफ कहा गया है कि बिना लाइसेंस जुलूस नहीं निकलेगा। प्रशासन यह भी तय करता है कि ताजिया और अखाड़ा किस रास्ते से निकलेंगे, कहाँ रुकेंगे, और कब समाप्त होंगे। इससे जाम, तनाव या किसी तरह की अप्रिय घटना की संभावना कम होती है। मोहर्रम सिर्फ शोक नहीं, बल्कि सब्र, इंसाफ और हक़ की शिक्षा भी देते हैं। यही वजह है कि भारत में भी इसे गहरे सम्मान, अनुशासन और सामुदायिक एकता के साथ देखा जाता है।

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

एक मोहर्रम से 10 मोहर्रम तक क्या-क्या हुआ था

1. एक मुहर्रम इस्लामी नया साल शुरू हुआ। हजरत इमाम हुसैन (रजि.) मदीना से मक्का होते हुए कूफ़ा की ओर रवाना हुए।

2. दो मुहर्रम हज़रत इमाम हुसैन (रजि.) अपने अहल-ए-बैत और साथियों के साथ कर्बला पहुँचो और वहाँ अपने खेमे (तबू) लगाए।

3. तीन मुहर्रम यज़ीद की सेना की अतिरिक्त टुकड़ियाँ कर्बला पहुंचीं और हजरत इमाम हुसैन (रजि.) का घेराव और मज़बूत किया गया।

4. चार मुहर्रम दुश्मन की सेना में रोज़ाना इज़ाफ़ा होता रहा और हजरत इमाम हुसैन (रजि.) पर बेअत का दबाव बढ़ाया गया।

5. पाँच मुहर्रम कूफ़ा और उसके आसपास के इलाकों से और फौजें कर्बला पहुंचीं। चारों तरफ से नाकेबंदी कर दी गई।

6. छः मुहर्रम हजरत इमाम हुसैन (रजि.) और उनके साथियों पर निगरानी और पहरा बढ़ा दिया गया तथा सभी रास्तों को बंद कर दिया गया।

7. सात मुहर्रम दुश्मन ने फुरात नदी का पानी बंद कर दिया। अहल-ए-बैत, बच्चों और साथियों को प्यास का सामना करना पड़ा।

8. आठ मुहर्रम प्यास की शिद्दत और बढ़ गई, लेकिन हजरत इमाम हुसैन (रजि.) और उनके साथी सब्र और हिम्मत के साथ डटे रहे।

9. नौ मुहर्रम (तासुआ) युद्ध की तैयारियाँ पूरी हो गई। हजरत इमाम हुसैन (रजि.) ने एक रात की मौहलत मांगी ताकि इबादत, दुआ और कुरआन की तिलावत कर सकें। यह रात इबादत, तिलावत और दुआ में गुजरी।

10. दस मुहर्रम (यौमे आशुरा) सुबह हजरत इमाम हुसैन (रजि.) के साथियों और अहल-ए-बैत के जॉनिसारों ने एक-एक करके शहादत हासिल की। आखिर में हजरत इमाम हुसैन (रजि.) ने हक और इस्लाम की राह में अपनी जान कुर्बान कर दी। कर्बला की यह शहादत आज भी सब्र, कुर्बानी और सच्चाई की सबसे बड़ी मिसाल है।

नसीरुद्दीन शाह: भारतीय अभिनेता जो अपनी कुशल प्रस्तुति से दिग्गज हैं

भारतीय फ़िल्म उद्योग के सबसे प्रतिभाशाली और सम्मानित कलाकारों में से एक नसीरुद्दीन शाह का जन्म 1949 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था । पाँच दशक से अधिक के अभिनय संसाधन में, नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी फ़िल्मों, अंतरराष्ट्रीय फ़िल्मों, थियेटर में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

नसीरुद्दीन शाह ने अपना स्कूलिंग अजमेर के सेंट एन्सलम्स से किया और बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से कला में स्नातक डिग्री प्राप्त की (1971)। फ़िल्मी दुनिया में जाने के पहले, वह दिल्ली के नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में शामिल हुए, जो उनके अभिनय कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण रहा। अभिनय की दुनिया में उनका पहला कदम 14 साल की उम्र में ही पड़ा, जब उन्होंने अपने स्कूल के दोस्तों के साथ मिलकर श्वेस्पियर का नाटक "मर्चेंट ऑफ वेनिस" प्रस्तुत किया।

थियेटर और मोटली प्रोडक्शंस

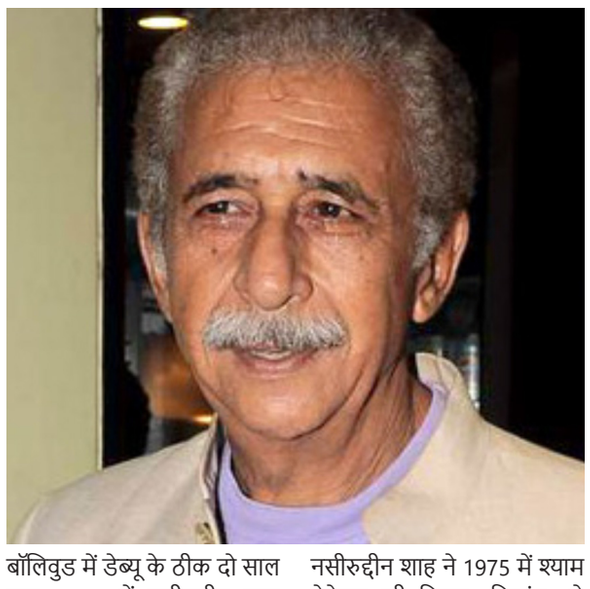

बॉलिवुड में डेब्यू के ठीक दो साल बाद, 1977 में नसीरुद्दीन शाह बेन्जमिन गिलानी और टॉम अल्टर के साथ मिलकर मोटली प्रोडक्शंस नामक थियेटर ग्रुप शुरू किया। इस ग्रुप का पहला नाटक 1979 में सैम्युअल बेकेट का "वेटिंग for Godot" था, जिसमें नसीरुद्दीन ने पोजो का किरदार निभाया । आज वह थियेटर में 50 वर्ष से अधिक सक्रिय हैं।

फ़िल्मी संसाधन

नसीरुद्दीन शाह ने 1975 में श्याम बेनेगल की फ़िल्म "निशांत" से बॉलिवुड में अपना डेब्यू किया। यह फ़िल्म राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए विस्फोटक रही और ऑस्कर के लिए भी नामित हुई। 70 के दशक और 80 के दशक में वह कई क्लासिक फ़िल्मों में दिखाए दिए। वह अंतरराष्ट्रीय फ़िल्मों में भी काम कर चुके हैं, जिनमें हॉलिवुड की "द लीग ऑफ एक्स्ट्राऑर्डिनरी जेंटलमेन" भी शामिल है, जिसमें उन्होंने एक महत्वपूर्ण किरदार निभाया।

व्यक्तिगत जीवन

नसीरुद्दीन शाह की पहली पत्नी परवीन मुरादा थीं, जो उनसे 12 साल बड़ी थीं और 20 साल की उम्र में उनसे विवाह किया था । पहली पत्नी की मौत के बाद, वह 1 अप्रैल 1982 को अभिनेत्री रत्ना पाठक (वर्तमान में रत्ना पाठक शाह) के साथ शादी के बंधन में बंध गए। रत्ना भी थियेटर आर्टिस्ट रही हैं। उनके बेटे का नाम इमाद शाह है। वह न केवल एक अभिनेता हैं, लेकिन फ़िल्म डायरेक्टर भी हैं। 76 वर्षीय नसीरुद्दीन शाह भारतीय फ़िल्म उद्योग के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली कलाकारों में से एक हैं। भारतीय फ़िल्म उद्योग के लिए उनके योगदान को स्वीकार करते हुए, उन्हें पद्म श्री और पद्म भूषण जैसे दो नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। नसीरुद्दीन शाह आज भी सक्रिय हैं और भारतीय फ़िल्मों, थियेटर और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में काम करते रहते हैं, जो उनके 50 वर्ष से अधिक के अभिनय संसाधन की निरंतरता को दर्शाता है।

ब्रीफ खबरें

भारत माता कॉलेज में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। किशनगंज स्थित भारत माता कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया और विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हमीद मेवाती रहे। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मजीद मलिक कमांडो, प्रदेश महामंत्री जंग बहादुर, प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद खान, प्रदेश मंत्री डॉ. अरमान मलिक तथा पूर्व प्रदेश मंत्री हुसैन पठान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान योग विशेषज्ञों ने लोगों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। वक्ताओं ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जो शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और जीवन को संतुलित बनाता है। उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग करने की अपील की। कॉलेज परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

योग भी-वोट भी स्वीप कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-मन की शांति के लिए योग, सशक्त लोकतंत्र के लिए वोट

बारां (रॉयल पत्रिका)। यहां शहर के कृषि उपज मंडी परिसर मे आयोजित बाहरवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित थीम पर योग भी वोट भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) बालमुकुंद असावा ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों सहित भारी तादाद में मौजूद जन समूह को निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करने का संकल्प कराया। साथ ही आव्हान किया कि हमारे लोकतंत्र को सशक्त बनाए रखने के लिए हर निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान आवश्यक है, हमें मत के महत्व को समझते हुए मतदान में आगे आना होगा क्योंकि जिस प्रकार योग मन को शांत और शरीर को सशक्त बनाता हैं, उसी तरह मतदान की स्वस्थ लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में महत्ती आवश्यकता हैं। इस अवसर पर विधायक राधेश्याम बैरवा, पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम भंवरलाल जनागल, निर्वाचन समन्वयक हीरालाल वर्मा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विश्वजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद कुमार राठौर,सहप्रभारी स्वीप अमित भार्गव एवं अधिकारी गण मौजूद रहें।

एसडीपीआई ने मनाया पार्टी का 18वां स्थापना दिवस

-झंडारोहण के बाद रक्तदान, ठंडे पानी और शर्बत की लगाई छबील

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां जिला महासचिव अलीम मंसूरी ने जानकारी देते हुए बताया की 21 जून 2026 को एसडीपीआई के संघर्ष सेवा बलिदान के 18 वर्ष पूर्ण होने ओर स्थापना दिवस के मौके पर बारां शहर के अंजुमन चौराहे पर जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज ने पार्टी का ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद मिठाईयां बांटकर प्रोग्राम का आगाज किया। उसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश स्टेट ट्रेजरार जाकिर रंगरेज ने पढ़कर सुनाया। इसके बाद पार्टी के कई कार्यकर्ता और समर्थकों ने बारां ब्लड बैंक में जाकर ब्लड डोनेट किया। फिर राहगीरों को तपती गर्मी से राहत के लिए प्रोग्राम स्थल अंजुमन चौराहा पर ठंडे पानी ओर शरबत की छबील भी लगाई गई जिसकी राहगीरों ने सराहना की। इस अवसर पर पार्टी के कई कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के उद्देश्यों, सामाजिक न्याय, एकता और जनसेवा के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही 15 जून से 15 जुलाई सदस्यता अभियान की शुरू करने की घोषणा की गईं। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के स्थापना दिवस पर अंता ओर मांगरोल नगर में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का अंत में स्टेट वर्किंग कमेटी सदस्य इफ्तिखार अहमद बबलू ने स्थापना दिवस कार्यक्रम में अपना कीमती वक्त निकालकर आए हुए मेहमानों ओर कार्यकर्ताओं समर्थकों का शुक्रिया अदा किया।

रीट मेन्स परीक्षा बीएसटीसी लेवल फर्स्ट में सानिया हयात ने हासिल की 429 वीं रैंक

-मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान ने किया सानिया का इस्तकबाल

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। रीट 2025 प्री परीक्षा में कामयाब हुए अभ्यर्थियों ने रीट मेन्स परीक्षा में भी अपना जलवा बरकरार रखा है। रीट 2026 मेन्स परीक्षा के बीएसटीसी लेवल फर्स्ट का परिणाम कई अभ्यर्थियों के लिए सुकून देने ओर अपने अध्यापक बनने के सपने को पूरा करने में कामयाब रहा। शहर के सब्जी मंडी की टेक निवासी चाचा घोड़ी वाले के नाम से प्रसिद्ध हाजी अब्दुल खालिक ओर हज्जन परवीन बानो की पोती, उमर फारूक ओर रिजवाना बानो की बेटी ओर एडवोकेट फिरोज खान ओर एडवोकेट फरातुन निशा की भतीजी सानिया हयात ने 429 वीं रैंक हासिल करके परिवार ओर अपने माता पिता का नाम रोशन किया। सानिया ने बताया कि कठिन परिश्रम और मोबाइल से दूरी, शादी ब्याह के प्रोग्राम में कम उपस्थिति सहित सिर्फ पढ़ाई पर ही फोकस किया। परिवार में सभी का सहयोग मिला जिससे सफलता हासिल हुई है। सानिया के चाचा एडवोकेट फिरोज खान ने बताया कि अगर आप सफलता

हासिल करना चाहते हो तो आपको मोबाइल की लत से दूर रहना पड़ेगा। इसके अलावा पढ़ाई के लिए अनुकूलित वातावरण भी मिलना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। बड़ी बात ये रही कि पहली ही दफा में सानिया हयात ने रीट प्री ओर रीट मेन्स परीक्षा पास करके सरकारी शिक्षिका बनने की चाहत पूरी की है। इस मुबारक मौके पर शिरीन हयात, रिजवान, सूफ़ी, सबा, फैजल, फ़वाज ने अपनी बहन को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

वहीं रविवार 21 जून को मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान ओर आइसेक्ट कंप्यूटर द्वारा आयोजित हाजियों के इस्तकबाल के प्रोग्राम में पहले ही प्रयास में रीट प्री ओर रीट मेन्स पास करके अध्यापक बनी सानिया हयात का माला ओर पगड़ी पहनाकर मुंह मीठा करवाकर मोमेंटो देकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो, प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती, प्रदेश मंत्री डॉ. अरमान मलिक, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन कैलाश शर्मा, जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, पूर्व प्रदेश मंत्री हुसैन पठान, मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर, आइसेक्ट कंप्यूटर सेंटर के संचालक साबिर खान ने बच्ची की हौसला अफजाई की।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक आयोजित, संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा

अंता (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं की बैठक जिला अध्यक्ष मकसूद अली के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार की विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ सभी वर्गों और सभी समाजों के लोगों को मिल रहा है, जिनमें अल्पसंख्यक समुदाय भी शामिल है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को बीजेपी से जोड़ने और सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने की अपील की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने तथा आगामी नगर पालिका और पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। नेताओं ने अभी से चुनावी तैयारियों में जुटने और पार्टी हित में कार्य करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री जंग बहादुर पठान, प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद खान, पूर्व पार्षद धनराज चौरसिया, अब्दुल हक टेलर, अशफाक खान बबलू, कय्यूम खान, मोहम्मद अशफाक, जमील पठान, अल्ताफ अंसारी, आबिद अंसारी, शाहरुख सहित कई लोग मौजूद रहे।

हज के पाक व मुकद्दस सफर से लौटे जिले के हाजियों का मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान ने किया इस्तकबाल

-आइसेक्ट कंप्यूटर सेंटर द्वारा हाजियों का किया गया सम्मान

बांरा (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान एवं आई सेक्ट कम्प्यूटर सेंटर के तत्वावधान मे हज 2026 मे मक्का-मदीना में हज का मुकद्दस सफर करके वापस अपने वतन लौटने वाले बांरा जिले के तमाम हाजियों का इस्तकबाल ओर दावत-ए-आम 21 जून 2026 रविवार सुबह 10 बजे से शहर के कोटा रोड़ स्थित एक निजी रेस्टोरेंट मे आयोजित करके सभी हाजियो को शाल ओढाकर फूल मालाओ से स्वागत कर इनामात तकसीम किये।

प्रोग्राम कन्वीनर साबिर खान आइसेक्ट ने बताया कि इस्तकबालिया समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खां मेवाती, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश शर्मा, भारत माता कालेज के चेयरमैन डॉक्टर मजीद मलिक कमाण्डो, जिला वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, जिला वक्फ कमेटी के पूर्व चेयरमैन हाजी माजिद सलीम, मदरसा अंजुमन इसलामिया के सदर व प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के महामंत्री मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री हाजी अब्दुल गनी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री जंग बहादुर पठान, प्रदेश मंत्री डॉक्टर अरमान मलिक, जिला वक्फ कमेटी के पूर्व चेयरमैन हुसैन पठान, जिला वक्फ कमेटी के पूर्व चेयरमैन जाकिर मंसूरी, प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद खान सहित अन्य अतिथियों ने कहा कि ऐसा आयोजन पहली बार देख रहे है जिसमें पूरे जिले के तमाम हाजी एक साथ इकट्ठा हुए ओर सबका एक साथ इस्तकबाल हुआ है ऐसे आयोजन से सभी में आपसी मोहब्बत भाईचारे का संदेश मिलता है।

संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर अली ने बताया कि जलसे की शुरुआत ईमाम मोहम्मद असलम ने तिलावत-ए-कुरआन की आयतों से की। स्वागत भाषण शेख बहादुर अली ने दिये प्रोग्राम में जिले के हाजियो सहित कोटा से प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश महासचिव अफसरा अंसारी, उपाध्यक्ष कन्हैया लाल चित्तोडा, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर, रामगोपाल मालव, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, हेमलता सोन, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कूंडी, फकीर मोहम्मद ठेकेदार, इकबाल नेता, पूर्व ईदगाह सदर मुन्ना मंसूरी, अनवर खान मास्टर अटरू, डॉक्टर नासिर हुसैन यूनानी, पूर्व पंचायत श्योपुरियांन सदर अब्दुल अजीज अंसारी, ईदगाह सदर जहीर अहमद, अब्दुल रशीद पठान, पूर्व पार्षद जाकिर खान, समाजसेविका फरीदा शेख, फरहाना खान हाजियो के खिदमतगार आरजू लईक अंसारी, लईक अहमद अंसारी, रईस हाशमी एडवोकेट, रईस फैजी, मोहम्मद हुसैन फाईन, पार्षद हाजी असगर अली, नर्सिंग आफिसर हज्जन शमां बी, हाजी सिराज अहमद, अकरम खान, अदीबा अंजुम, सैजान खान राबिया बसरी, लालू खान, रियाज खान ने हाजियो का इस्तकबाल कर गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस दौरान सभी ने साथ खाना खाया और हज के दौरान किए गए तमाम अरकान ओर कार्यों का एक दूसरे से जिक्र करके अपने अनुभव साझा किए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बारां में उमड़ा जनसैलाब

कृषि उपज मंडी में सैकड़ों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को जिला मुख्यालय पर योग के प्रति अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। कृषि उपज मंडी स्थित शेड नंबर एक में आयोजित मुख्य समारोह में सैकड़ों की संख्या में लोग सुबह 6 बजे ही एकत्रित हो गए। पूरे शहर में योगमय माहौल रहा। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य श्री यादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक व प्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक राधेश्याम बैरवा, कलक्टर बालमुकुंद असावा, एसपी अभिषेक अंदासु सहित जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों ने भी योगाभ्यास में भाग लेकर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन एवं पश्चिम बंगाल के कलकत्ता स्थित प्रांगण से योग कार्यक्रम का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री के योगासन कराते ही पूरा मंडी प्रांगण योग की धुन पर थिरक उठा। उपस्थित जनसमूह ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन सहित विभिन्न योगासनों का सामूहिक अभ्यास किया। अंत में सभी ने नियमित योगाभ्यास एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

महिलाओं-बालिकाओं की रही विशेष भागीदारी

कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता महिलाओं एवं बालिकाओं की भारी उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहयोगिनी, स्कूली छात्राएं

एवं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में योग करती नजर आईं। प्रशासन की ओर से महिलाओं के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी।

सभी वर्गों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

इस स्वास्थ्य उत्सव में स्कूली विद्यार्थी, एनसीसी-स्काउट गाइड, खेल प्रतिभाएं, शिक्षक, पुलिस जवान, व्यापारिक संगठन, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं आमजन ने उत्साह के साथ भाग लिया। सभी ने योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए आगामी चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने की शपथ भी ली। पूरा आयोजन अनुशासित, व्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की कार्यकारिणी घोषित

-प्रदेशाध्यक्ष एमडी चोपदार ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को सशक्त बनाने का किया आह्वान

बारां (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, करण सिंह राठौड़ एवं श्रीमती निर्मला सहरिया की सहमति से कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बारां जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष ने जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्षों एवं नगर अध्यक्षों की घोषणा करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सिराजुद्दौला को संगठन महासचिव नियुक्त किया गया है। जिला उपाध्यक्ष पद पर ऐनुल हक खान, जाहिदा बेगम, कुलदीप जैन, आरिफ मोहम्मद, अब्दुल हफीज, रईस खान, दीप सिंह, याकूब

अली, रहीम खान एवं अख्तर हुसैन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं शहजाद अहमद को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

जिला महासचिव पद पर वारिस अली, वाजिद अली, खुर्शीद भाई, आदिल हुसैन, मकसूद अली, नजीर भाई, मोहम्मद निशार काजी, अबरार, ताहिर बोहरा, जद्दार सिंगी, अब्दुल समद, साजिद अली, परवेज मंसूरी, पप्पू भाई, आलम मंसूरी, रईस देशवाली, मोहम्मद गालिब, अब्दुल गफूर, साबिर खान, इमरान शानू एवं अकबर अली को नियुक्त किया गया है।

जिला सचिव पद पर आकिब अली, खूबसूरत अहमद, इमरान खान, खुर्सीद आलम, मोहम्मद अशफाक अंसारी, तारिक मोहम्मद, मोहम्मद रिजवान, चमन राजा, फरीद मोहम्मद, सलाम भाई, अली मोहम्मद अप्पू, असलम राजा, अकबर अली, शहादत बब्बर, शाहरुख, वसीम खान, सद्दाम मेव, मुख्तार अली, शकील मोहम्मद एवं मुस्तकीम को दायित्व सौंपा गया है। जिला संयुक्त सचिव पद पर मोहम्मद शारिक, मोहम्मद इमरान, इस्लाम मोहम्मद, वसीम अख्तर, मोहम्मद शरीफ, कासिम अली, अफजल खान, दानिश गौरी, इस्लामुद्दीन, असलम खान, हाफिज मोहम्मद, शाहरुख अंसारी, मुबारिक, सिमरोज खान एवं मोहम्मद अयान को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त ब्लॉक अध्यक्ष पदों पर मोहम्मद वाहिद खान (अंता), असगर अली 'सोहेल' (मांगरोल), अब्दुल साजिद पठान (शाहाबाद), मिस्वाउद्दीन पठान (किशनगंज), सलामतुल्ला (अटरू), मोहम्मद परवेज (बारां), शब्बीर मोहम्मद (छीपाबड़ौद) तथा सगीर अहमद 'जख्मी' (छबड़ा) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर अध्यक्ष पद पर मोहसिन खान (अंता), नदीम बेग (छबड़ा), शहादत हुसैन (मांगरोल) एवं साजिद खान (अटरू) को नियुक्त किया गया है।

विधायक आपके द्वार, जन संवाद यात्रा का गोरधनपुरा में भव्य समापन, घर-घर पहुंचकर सुनीं समस्याएं

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा की बहुचर्चित "विधायक आपके द्वार, जन संवाद यात्रा" का समापन शनिवार को देहात मंडल के गोरधनपुरा गांव में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष नंदलाल सुमन, आनंद गर्ग, नागरिक सहकारी बैंक चेयरमैन हरगोविंद जैन, जिला महामंत्री महावीर सिंह हाड़ा, जिला उपाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान, मुकेश केरवालिया, प्रधान मोरपाल सुमन, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष हेमंत मीणा, भाजपा नेता भीम चौधरी, पूर्व अध्यक्ष खेम सिंह डागर एवं निरंजन शर्मा की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष अमरदीप सिंह केदाहेड़ी की अगुवाई में किया गया। समापन अवसर पर विधायक बैरवा ने गोरधनपुरा में आमजन के घर-घर पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समाधान के प्रयास भी किए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने कहा कि विधायक राधेश्याम बैरवा ने भीषण गर्मी और तपती दुपहरी में गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं को सुना तथा उनके त्वरित समाधान का प्रयास किया। यह उनकी कार्यक्षमता, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं संवेदनशील नेतृत्व का परिचायक है। उन्होंने भाजपा की अंत्योदय की विचारधारा को धरातल पर

साकार करने का कार्य किया है। विधायक राधेश्याम बैरवा ने कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर अपनी समस्याओं को लेकर परेशान रहते हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने लगातार घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए प्रयास किए। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एवं राजस्थान की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों को गति दे रही हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया तथा सांसद दुष्यंत सिंह लगातार जिले के विकास कार्यों में सहभागिता निभाते हुए मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, जिनसे उन्हें जनसेवा की प्रेरणा मिलती है। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विधायक बैरवा ने विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडलों में व्यापक जनसंपर्क कर आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का प्रयास किया। यात्रा के समापन अवसर पर चारों मंडल अध्यक्षों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। इस दौरान प्रकोष्ठ संयोजक कैलाश शर्मा, सोशल मीडिया संयोजक रोहित नायक, आईटी विभाग के ऋतिक सुमन, जिला प्रवक्ता भानुप्रताप, ओबीसी मोर्चा संयोजक द्वारका प्रसाद प्रजापति, कार्यालय मंत्री धीरेंद्र नागर, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र हाड़ा, पवन गंदोलिया, योगेश गौतम, रामेश्वर शर्मा, अजय गुप्ता, देहात महामंत्री रविंद्र डागर, सत्यनारायण शर्मा, विष्णु मालव, हरिशंकर नागर, श्रीकिशन नागर, कुंजी मीणा, सत्यनारायण मीणा, पवन नागर, रमेश नागर, बद्री प्रसाद मेघवाल, हेमंत शर्मा, सत्यनारायण मेघवाल, हेमंत मीणा, जसवंत मीणा, सुरेंद्र नागर, राकेश यादव, सरदार सिंह एवं पदम सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्टे रिलैक्स्ड फिजियोथैरेपी एंड रिहैबिलिटेशन हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ

-फिजियोथैरेपी चिकित्सा पद्धति जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है - राजेंद्र सिंह राठौड़

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय की नई सड़क पर स्थित स्टे रिलैक्स्ड फिजियोथैरेपी एंड रिहैबिलिटेशन हॉस्पिटल का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया। अस्पताल का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने फीता काटकर किया। राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा आज की आधुनिक और भाग दौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक समस्याएं जैसे पीठ दर्द, जोड़ों का दर्द और पैरालिसिस बेहद आम हो चुकी हैं। यह फिजियोथैरेपी हॉस्पिटल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सराहनीय और जनहितैषी कदम है। यह नया अस्पताल आधुनिक मशीनों और अनुभवी डॉक्टरों की मदद से मरीजों को बिना दवा और सर्जरी के दर्द से राहत दिलाएगा। फिजियोथैरेपी न केवल गंभीर चोटों से उबरने में मदद करती है, बल्कि यह मरीजों को आत्मनिर्भर और सक्रिय जीवन जीने की नई राह दिखाती है। इस अस्पताल के खुलने से स्थानीय निवासियों को अब इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह हॉस्पिटल समाज को स्वस्थ और गतिमान बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण ने राजेंद्र सिंह राठौड़ को पौधा भेंट कर स्वस्थ पर्यावरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. वासुदेव चावला पूर्व प्रदेश मंत्री, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा वरिष्ठ नेता पदम सिंह राठौड़, पराक्रम सिंह राठौड़, चंद्राराम गुरी, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गोपाल बालान, सत्तार खान जिला मंत्री भाजपा, अख्तर खान भाजपा प्रवक्ता, इलियास खान समाजसेवी, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रमाकांत वर्मा, डॉ.

एफ एच गोरी पूर्व पीएमओ, डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. अहसान गोरी, डॉ. अमजद खान, सांवरमल गहलोनिया पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, असगर अली जोईया पूर्व जिल अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, डॉ. शाहनवाज, डॉ. गफ्फार खान, डॉ. हकीम खोकर, डॉ. अभिषेक, डॉ. मंजीत, डॉ. विकास जांगीड़, डॉ. जेबी खान प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज, संग्राम सिंह राठौड़ डीपीओ, राजेंद्र सैनी, अनिल कुमार सीएचओ, शिक्षाविद यूनुस खान, शिक्षाविद खालिद तुगलक, शिक्षाविद अरशद खान, अतिथियों का फूल माला एवं साफा पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ. अख्तर खान, डॉ. पुष्पा खारड़िया, डॉ. राशीद खान ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ. महेश कुमार शर्मा ने कहा फिजियोथेरेपी (भौतिक चिकित्सा) शरीर को बिना दवाओं के स्वस्थ और गतिशील बनाने का एक प्रभावी तरीका है। यह दर्द से राहतः एवं मांसपेशियों और जोड़ों के पुराने दर्द को प्राकृतिक रूप से कम करती है। चोट या सर्जरी के बाद शरीर की मूवमेंट और लचीलेपन को वापस लाती है। सर्जरी से बचावः नियमित थेरेपी से कई बार गंभीर ऑपरेशनों की नौबत नहीं आती। चोट से रिकवरीः खेल-कूद या दुर्घटना के कारण लगी चोटों को जल्दी ठीक करने में मदद करती है। स्ट्रोक और न्यूरो सुधारः स्ट्रोक के बाद शरीर के अंगों को दोबारा सक्रिय बनाने में सहायक है। यह ढलती उम्र में गिरने के जोखिम को कम कर संतुलन सुधारती है। यह सुरक्षित चिकित्सा पद्धति जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है। कार्यक्रम में करामत खान उर्दू अदीब, विनोद खारड़िया, सुभान खान, शराफत खान, प्राप्त खान, इनायत खान, साजिद तुगलक, एडवोकेट भरत सिंह, संदीप, इमरान बि खान, अफजल खान, अंबिका सारण, श्रीमती संजू देवी, श्रीमती कमला सुराणा, श्रीमती सुषमा मारू, प्रकाश नायक एडवोकेट, जावेद खान एडवोकेट, हाजी क्यूम, बनवारी लाल, महावीर खारडिया, सुरेंद्र रॉयल, जबार अली, तोफीक खान, जीवन खान, बनवारी लाल चोटिया, राजकुमार शर्मा, सुरेंद्र बावलिया, इमरान खान एम आर, गोपाल शर्मा, शाहनवाज खान, मंजूर खान, अब्बास खान, समीर खान आमु, विजेंद्र, तरुण खारड़िया, जाकिर, गोवर्धन पवार, ताहिर, उमर, अब्दुल्ला, शाहिद, अजीज खान, हन्ना मोयल, मनोज ईनदलिया, अनीता, बबीता, विनीता आदि काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ. अख्तर खान, डॉ. पुष्पा खारडीया, डॉ. राशीद खान ने सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप कुमार ने किया।

ब्रीफ खबरें

पूर्व सांसद ने मरीजों के हित में स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व सांसद देवजी एम. पटेल ने राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को पत्र लिखा। इस पत्र के जरिए उन्होंने 'मा' योजना के तहत गुजरात के सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज करा रहे राजस्थान के मरीजों को समय पर स्वीकृति और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की मांग की है। देवजी पटेल ने बताया कि जालौर, सिरोही सहित राजस्थान के कई जिलों के मरीज गुजरात के सूचीबद्ध अस्पतालों, विशेष रूप से अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज करा रहे हैं। लेकिन कई मामलों में उपचार की स्वीकृति समय पर नहीं मिलने के कारण मरीजों को अपनी जेब से पैसा खर्च कर इलाज करवाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पूर्व सांसद ने राज्य सरकार से मांग की है कि गुजरात सहित अन्य राज्यों के सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचाररत राजस्थान के मरीजों के मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इससे मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा और उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी परेशानियों को दूर करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

मोहर्रम पर सलामी एवं अखाड़े का कार्यक्रम 27 जून को राणा जी के नोहरे में होगा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाई जी चौक स्थित राणा जी के नोहरे में मोहर्रम पर ताजियादार एवं अखाड़ा उस्तादों की बैठक महम्मुद राणा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें राणा वेलफेयर सोसाइटी के सौजन्य से मोहर्रम के दूसरे दिन 27 जून शनिवार को रात्रि 9:00 बजे का कार्यक्रम रखा गया है। स्थान राणा जी का नोहरा भाई जी चौक में होगा। जिसमें अखाड़ा एवं सलामी का कार्यक्रम रहेगा एवं अखाड़ा उस्तादों का सम्मान किया जाएगा। मोहर्रम के पवित्र महीने में सलामी और अखाड़ा कार्यक्रम का विशेष महत्व होता है। यह आयोजन मुख्य रूप से हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में किया जाता है। शौर्य का प्रदर्शन अखाड़े में युवा पारम्परिक लकड़ी के हथियार जैसे लाठी, तलवार से हैरत अंगेज करतब दिखाते हैं। इमाम हुसैन की फौज के साहस और वीरता का प्रतीक माना जाता है। सम्मान कार्यक्रम में सलामी की रस्म के दौरान विभिन्न अखाड़े कर्बला के शहीदों के सम्मान में विशेष सलामी देते हैं ओर एकता का एवं इंसाफ का संदेश देते हैं। इस आयोजन में सभी धर्मों और वर्गों के लोग शामिल होकर आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। यह कार्यक्रम शोक, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनूठा संगम है। बैठक में मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अली खान, गुलाब निलगर, मोहिद्दीन काजी, जाकिर हुसैन झारीयेवाला, याकील पीर जी, लियाकत अली, लाल मोहम्मद पिनारा, इलियास पिनारा, साबिर निलगर, मोहम्मद रफीक गुर्जर, अली शेर निवारिया, इरफान भाटी, आदिल, राशिद राजू, जमील भाटी आदि अखाड़ा उस्ताद व ताजीएदार उपस्थित रहे।

IFWJ की प्रदेश कार्यकारिणी गठित, अरुण जोशी बने पुन: पाली जिलाध्यक्ष

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। आबूराज में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के हाल ही में हुए दो दिवसीय अधिवेशन के बाद ऐतिहासिक कदम उठाते हुए IFWJ ने ग्यारह सदस्यों की कोर कमेटी का गठन करने के बाद शनिवार को प्रदेश इकाई के सभी पदों एवं समस्त जिलों के जिलाध्यक्ष का कोर कमेटी द्वारा मनोनयन किया गया। राजस्थान संगठन की इस 11 सदस्य कोर कमेटी ने प्रदेश इकाई के सभी पदों एवं समस्त जिलों के जिलाध्यक्ष मनोनीत कर राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने एक मिशाल कायम की है।

कोर कमेटी द्वारा आईएफडब्ल्यूजे राजस्थान प्रदेश कार्यसमिति 2026-27 में संरक्षक पद पर शंकर नागर, विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष पद पर उपेन्द्र सिंह राठौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मनवीर सिंह चुंडावत, अजमेर उपाध्यक्ष पद पर राजीव गौड़ जोधपुर, मनीष भट्टाचार्य जयपुर, पशुपति शर्मा, सीकर, कोषाध्यक्ष पद पर नकुल शर्मा, सचिव पद पर डॉ. रंजन दवे-जोधपुर, विक्रम सिंह करणोत -सिरोही, प्रवीण बोथरा -बाड़मेर, श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव -जयपुर, राजू रामगडिया, बीकानेर, ज्योति लवानिया, भरतपुर तथा कार्य समिति सदस्य में राहुल

अवस्थी-जयपुर, दिनेश शर्मा -अलवर/नोएडा, श्रीमती निर्मला पुरण राव - जयपुर, जयनारायण बिस्सा - बीकानेर, विपिन तिवारी- बारां, गुणवंत कलाल -डूंगरपुर, कैलाश दिनोदिया, श्रीगंगानगर, मनीष भारद्वाज- जयपुर, राजेश गोयल-सवाईमाधोपुर, सांवलदान रत्नू - जैसलमेर, रियाज अहमद-झालावाड, प्रकाश तंवर - नागौर, राकेश सोनी - प्रतापगढ, नारायण मेघवाल-उदयपुर, अलकेश सनाढ्य- राजसमंद, संतोष त्रिवेदी, दौसा, भवानी सिंह हाड़ा- बूंदी, शहनु तंवर-डीडवाना कुचामन, गणेश प्रजापति-जयपुर, विंजाराम डूडी - सांचौर, प्रदीप गढवाल- झुन्झुनूं, भूपेन्द्र सिंह पगारा - टोंक को मनोनीत किया गया है।

अरुण जोशी को पुन: पाली जिले की मिली बागडोर :

11 कोर कमेटी के सदस्य अरुण जोशी को संगठन ने पुनः पाली जिले की बागड़ोर सौंपी है। संगठन द्वारा जोशी को पुनः पाली जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपा जाना उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता का संगठन द्वारा अटूट विश्वास दर्शाता है। जोशी के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने से पाली जिले के पत्रकारों में हर्ष व्याप्त है। अब निश्चित ही जिलाध्यक्ष जोशी के नेतृत्व में पाली जिले सहित संगठन को मजबूत कर पत्रकारों के हितो को बढ़ावा मिलेगा।

जिलाध्यक्ष जोशी का हुआ अभिनंदन :

कोर कमेटी के सदस्य अरुण जोशी के IFWJ के पाली जिलाध्यक्ष पद मनोनयन के बाद सोजत आगमन पर IFWJ टीम सोजत द्वारा साफा, माला ओर शाल ओढ़कर अभिनंदन किया गया। जहां IFWJ उपखंड अध्यक्ष कैलाश गहलोत, प्रकाश राठौड़, अब्दुल समद राही, चेतन व्यास, ओमप्रकाश बोराणा, महावीर गहलोत, नवनीत राय रुचिर, रशीद गौरी, राकेश भटनागर, लक्ष्मी नारायण माली, हरीश गहलोत, ओम प्रकाश चौहान, गजेन्द्र गहलोत, दिव्येश जोशी, अशोक गहलोत सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु मौजूद थे।

किसानों की मांगों को लेकर 25 जून को होगा महापड़ाव

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। संयुक्त किसान मोर्चा जालौर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। किसान मोर्चा 25 जून को वाहन रैली के साथ जालौर पहुंचेगा और जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर महापड़ाव करेगा। संयुक्त किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ईशराराम बिश्नोई ने बताया कि सांचौर और चितलवाना क्षेत्र सहित पूरे जिले के किसानों की लंबी समस्याओं को लेकर यह वाहन रैली निकाली जाएगी। उसके बाद कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना देकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। मोर्चा के ओर से बताया गया कि पिछले दो महीनो से गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बैठके कर किसानों को अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही रैली के लिए वाहनों की जिम्मेदारियां भी अलग-अलग टीमों को सौंपी गई है। राजस्थान किसान सभा जिला अध्यक्ष विरध सिंह चौहान ने बताया कि साल 2022 से बकाया आदान अनुदान राशि, 2023-24-25 की बीमा क्लेम राशि नर्मदा नहर, कृषि मंडी,विद्युत विभाग, जल-जीवन मिशन,स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश का क्रियान्वयन और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी मांगे लंबे समय से लंबित हैं जिसे किसानों में भारी आक्रोश है। जिला प्रवक्ता लादूराम भादू ने कहा है कि जिले की सभी कृषि उपज मंडियों को सुचारू रूप से चालू किया जाए और किसानों को नीलामी/हरजी के माध्यम से उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाए। जिला मंत्री मकाराम चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि 23 जून तक अतिरिक्त जिला कलेक्टर के साथ हुई वार्ता के अनुसार 2022-23 की बकाया आदान-अनुदान राशि सहित अन्य मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो सैकड़ो वाहनों के साथ हजारों किसान कलेक्टर कार्यालय के सामने महापड़ाव करेंगे।

राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान ने ददरेवा में निशान-ए-कायम पर खिराज-ए-अकीदत पेश की

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम ददरेवा जाहरवीर गोगाजी महाराज चौहान वंशज की जन्मस्थली में ददरेवा निवासी शहीद कांस्टेबल नरेश कुमार महला जिसका पद स्थापन पुलिस थाना भादरा जिला हनुमानगढ़ में 15 जुन 2026 को ड्यूटी के दौरान अल्प आयु में शहीद हो गए। उनके निवास स्थान पर तथा सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान उपखंड शाखा राजगढ़ के बलवान सिंह कालेर निवासी ददरेवा के पिताजी चौधरी रामजीलाल कालेर के निधन होने पर उनके निवास स्थान ग्राम ददरेवा में पहुंचे, तथा शोक स्तंपत परिवार जन को सांत्वना दी गई। श्रद्धांजलि अर्पित की। गोवर्धन दास स्वामी जिला अध्यक्ष और साथियों ने कायम खानी समाज की उत्पत्ति ददरेवा से हुई उस स्मारक निशान-ए-कायम को देखने की इच्छा जाहिर की। अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी के नेतृत्व में स्मारक स्थल का निरीक्षण किया। आपने कहा कायखानी समाज की प्रारंभिक उत्पत्ति यहां के कायम सिंह उर्फ कर्म सिंह चौहान राजपूत के द्वारा हुई थी। जिसके लिए कायमखानी समाज द्वारा ददरेवा में एक अच्छी इमारत तथा यादगार के लिए वीर शहीदों की सूचीबद्ध लेख लगाकर यादगार के लिए लगाया हुआ है। यह स्मारक सांप्रदायिक सौहार्द और सद्भाव का प्रतीक है। सभी साथीयों ने स्मारक निशान-ए-कायम की विजिट की और दादा नवाब कायम खां को खिराज-ए-अकीदत पेश की जिनमें अयूब खान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रांतीय उपाध्यक्ष, शिवचंद पचार पुलिस निरीक्षक संरक्षक, राजगढ़ सतवीर सिंह पूनिया पुलिस निरीक्षक, गोवर्धन दास स्वामी उपनिरीक्षक जिला अध्यक्ष चूरू, मांगेराम जांगिड़ अध्यक्ष संस्थान राजगढ़, रामकिशन सुड्डा उपाध्यक्ष राजगढ़, सहायक उपनिरीक्षक गोपाल राम पचार संरक्षक उप निरीक्षक, बजरंग लाल चारण उपनिरीक्षक, अमीलाल सहारण उपनिरीक्षक, मांगीलाल लुहानी सहायक उप निरीक्षक सचिव, जोगेंद्र सिंह फगेड़िया सहायक उप निरीक्षक, प्रताप सिंह खयालिया सहायक उप निरीक्षक कोषाध्यक्ष, सतवीर सिंह भैरी हैड कांस्टेबल, बलवंत राम मेघवाल हैड कांस्टेबल, इंदर चंद मीणा हैड कांस्टेबल, जयचंद सरावग हैड कांस्टेबल, हजारीलाल इंदौरा, जगदीश सिंह राठौड़ कोटवाद ताल आदि उपस्थित रहे। संस्था के सभी अधिकारी, कर्मचारीगण बहुसंख्यक समाज उपस्थित रहकर सांप्रदायिक सौहार्द का एक बेहतरीन उदाहरण और संदेश दिया।

चूरू के अब्दुल अजीम रफीक का आईआईटी खड़गपुर कॉलेज में हुआ चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के वार्ड संख्या 24 निवासी मोहम्मद रफीक अंसारी के पुत्र अब्दुल अजीम रफीक का आईआईटी खड़गपुर (IIT Kharagpur) में प्रवेश मिलना किसी भी छात्र के लिए एक गौरवपूर्ण और जीवन बदलने वाला क्षण होता है। कठिन परिश्रम और जेईई (JEE) परीक्षा पास करने के बाद जब एक छात्र को इस प्रतिष्ठित संस्थान में जगह मिलती है, तो उसके और उसके परिवार के सपने सच होते हैं। यहाँ आने के बाद छात्र की पहचान और दायित्व बदल जाते हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्र को विश्वस्तरीय शिक्षा, अत्याधुनिक लैब्स और बेहतरीन प्रोफेसर्स का मार्गदर्शन मिलता है। The Indian Express सीखने का जज्बा, यहाँ का माहौल छात्र में कठिन से कठिन समस्याओं को चुटकियों में हल करने का हुनर विकसित करता है। ओर छात्र चुनौतियाँ और दबाव, प्लेसमेंट और पढ़ाई के भारी तनाव के

बीच छात्रों को अपने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखना होता है। इस अवसर पर सीकर स्थित मैट्रिक्स कोचिंग की प्रबंधन टीम ने अब्दुल अज़ीम का फूल-माला, साफा और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं सम्मान किया। संस्था के महेश नेहरा, इमरान खान, सुशील शर्मा और अरविंद दयाल ने कहा कि आईआईटी खड़गपुर में प्रवेश मिलना किसी भी छात्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में शामिल है और यहां छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं तथा अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन प्राप्त होता है। अब्दुल अज़ीम ने कठिन मेहनत और लगन के बल पर जेईई एडवांस्ड परीक्षा में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि उनकी ऑल इंडिया रैंक 13739 तथा कैटेगरी रैंक 3505 रही, जिसके आधार पर उन्हें आईआईटी खड़गपुर में सीट आवंटित हुई है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद अनीश खान, मोहम्मद रईस, पत्रकार मोहम्मद अली पठान, हसन संजरी, मोहम्मद सलीम आदि उपस्थित रहे एवं सभी ने हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्य एवं पिता मोहम्मद रफीक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एसडीपीआई के स्थापना दिवस पर पाली जिला कमेटी ने आयोजित किया कार्यक्रम

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के स्थापना दिवस के अवसर पर पाली जिला कमेटी द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सलमान मॉयल ने कहा कि एसडीपीआई समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, शिक्षा, सामाजिक न्याय और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जाकिर गोरी, महासचिव सैयद शाहरुख अली, सचिव निजाम खान सोढा, असलम खिलेरी, शहजाद भाई, समीर भाई सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने पार्टी के स्थापना दिवस पर संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

उपस्थित प्रमुख सदस्य:

जिलाध्यक्ष: सलमान मॉयल,
उपाध्यक्ष: जाकिर गोरी,
महासचिव: सैयद शाहरुख अली, सचिव: निजाम खान सोढा, असलम खिलेरी, शहजाद भाई, समीर भाई अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकार उपस्थित रहे।

बेहतर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए नियमित योग अत्यंत जरूरी - योगाचार्य विपीन व्यास

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। योग साधारण रूप से एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी क्रिया है। यदि नियमित रूप से योगाचार्य की निगरानी में तय समय अनुसार सही ढंग से योग का अभ्यास कर, योगक्रिया की जाये तो यह योग हमारे बेहतर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होता है। ये कहना है ख्याति प्राप्त योगाचार्य एवं योगा डिपार्टमेन्ट की असिस्टेंट प्रोफेसर विपीन व्यास का। वे मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की ओर से 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सभी प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवा रही थी।

उन्होने ने कहा कि योग करने से स्वास्थ्य सम्बन्धी बाधाएं व रोग दूर होते है और शांति, उत्साह व जोश का संचार होता है। इस योगाभ्यास में इम्यूनिटी बढ़ाने, ऊर्जा का संचार करने एवं स्वस्थ व युवा दिखने के लिए ताड़ासन, त्रिकोण आसन, वज्रासन, हस्त उत्तानासन, शंशाकासन, भुंजगासन, शंस्कासन, मेरूदण्ड आसन, पाद

हस्तासन, मरोड आसन, नाडी शोधन प्राणायाम, भ्रामरी, मकरासन, योगासन, ध्यान, शांतिपाठ सहित सेहत उपयोगी कई सूक्ष्म व्यायाम व आसन सिखाएं गये। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मुबारकबाद देते हुए कहा कि हम सब कोशिश करें कि रोजाना सुबह 10 मिनट निकालकर, योग के ये अभ्यास करें ताकि हमारी सेहत अच्छी रहें और हमारी दिनचर्या बेहतर हो।

यूनिवर्सिटी डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की ओर से आमजन में योग के प्रति जन चेतना एवं वैश्विक एकता लाने के लिए केन्द्र की ओर से इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है। जिसके अन्तर्गत यह संदेश सभी को प्रसारित करना है कि योग करने से हम बुढापे में भी स्वस्थ रहेंगे। योगभ्यास कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी आर्ट्स डीन डॉ. इनाम ईलाही, कॉमर्स डीन डॉ. निरंजन बोहरा, एज्यूकेशन डीन डॉ. समीना, स्पोर्ट्स डीन डॉ. सैय्यद मुईनउल हक, असिस्टेंट प्रोफेसर अजीजुल हसन, युनूस खान पठान, मोहम्मद असद, मारूफ शेख, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, डिम्पल प्रजापत, डॉ. अशोक भार्गव, मुमताज सय्यद, अफसीन आरीफ, फरहा मेहर, फरहाना सिद्दीकी, समृद्धि, मोहम्मद आसिफ, जीशान अहमद, फैजल शेख, नुरूल हसन, मोहम्मद इकबाल, साजिद खान जोधाणा सहित समस्त स्टाफ, योगा स्टूडेंट, एनसीसी व स्काउट गाइड विद्यार्थियों ने शिरकत की। योगा डिपार्टमेन्ट के पीजीडी योगा, एमए योगा विद्यार्थी अभिषेक गौड, पूजा कंवर, किरण चौधरी, हीरा, घनश्याम खींची, पीयुष जांगिड़, छैल सिंह, बलवीर सिंह, सुनील, अनिल, स्वाति व सीमा का खास सहयोग रहा।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें - 8058969180/9799559096

समाज बिरादरियों में सादगी और सामूहिक शादी सम्मेलन को बढ़ावा दिया जाये - अब्दुल सलाम जौहर

-बिना जहेज़ और बिना बैंड बाजा सादगी से शादी की जाये
-ग़ैर ज़रूरी रस्मों रीति रिवाजों, महँगी शादी-दिखावा को ख़त्म किया जाये

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन राजस्थान ने सभी समाज बिरादरियों से अपील की है की समाज में शादियां सामूहिक सम्मेलनों में आयोजित की जाये शादियाँ बिना जहेज़, बिना बैंड बाजा के बहुत ख़र्चीली ना करके सादगी से की जाये। फ़ेडरेशन के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर ने बताया की समाज बिरादरियों में अक्सर देखा जाता है की गरीब आर्थिक रूप से कमज़ोर घर की बच्चियाँ पैसों के अभाव में घरों में बैठी रहती हैं और उनको सही उपयुक्त रिश्ता नहीं मिलता है। आर्थिक स्थिति कमज़ोर होने की वजह से एवं आज कल शादियों में बहुत ज़्यादा लेन देन जहेज़ व दिखावा और ग़ैर ज़रूरी रस्मों, रीति रिवाज होने और उसमें बहुत ज़्यादा खर्चा होने की वजह से ग़रीब बच्चियों की शादी नहीं हो पाती हैं। वक़्त गुज़रता जाता है बच्चों की उम्र बढ़ती जाती है और शादी नहीं हो पाती है, कई जगह तो बच्चियाँ भटक जाती हैं, ग़लत क़दम उठा कर अन्य समाज के लड़कों के साथ जाकर शादी तक भी कर लेती हैं जिस की वजह से समाज में घर वालों की इज़्ज़त सम्मान को ज़बरदस्त ठेस पहुंचती है और आपसी झगड़े, थाना, मुक़दमे बाज़ी तक की नोबत आ जाती

है, बाद में ऐसी बच्चियों के साथ धोका ज़्यादती दुर्गति होना भी सामने आता है। मौजूदा हालात के मद्दे नज़र अब समाज बिरादरी में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन प्रचलन को बढ़ावा देना चाहिए। इज्तिमाई शादी सम्मेलन होना अब यह ज़रूरी भी होता जा रहा है, रुपयों की फ़िज़ूल बर्बादी को रोकना चाहिए। इज्तिमाई- सामूहिक विवाह सम्मेलन में कई मजबूर ग़रीब लड़के और लड़कियों का रिश्ता और शादी भी सम्मान से हो जाती है घर वालों व उनकी इज़्ज़त सम्मान भी रह जाता है। अब तो कई समाज बिरादरी में अमीर घरों के बच्चे बच्चियों की शादी भी समाज के दबाव में होने लगी हैं समाज का सिस्टम को सुधारने और उन्हें प्रेरित करना अब ज़रूरी है। सामूहिक शादी सम्मेलन हर ऐतबार से फ़ायदेमंद और अब ज़रूरी हो गया है। इस के लिये समाज में निरंतर कोशिशें की जाती रहनी चाहिए और इस से बचे हुए फण्ड को समाज के ज़रूरत मंद ग़रीब बच्चों की उच्च तालीम (शिक्षा) व तरबियत (संस्कार) में लगायें उनको रोज़गार कौशल में मदद करें। मुस्लिम मिक्स बिरादरियों के सामूहिक विवाह सम्मेलन भी आयोजित होने चाहिए जो हो रहे हैं वो बहुत ही नगण्य हो रहे हैं जिसे बहुत ज़्यादा आयोजित एवं प्रचलित किया जाना अतिआवश्यक है । अब सभी समाज के जागरूक लोगों को अपनी अपनी बिरादरी समाज में सामूहिक विवाह को आम करना चाहिए एवं सादगी से कम ख़र्चीली शादी को बढ़ावा देना और इसके लिये जागृति, निरंतर मेहनत कोशिशें करनी चाहिए।

राहुल गांधी ने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्षों से किया संवाद

-संगठन मजबूती और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा
-संवाद कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष एमडी चोपदार, 50 जिलाध्यक्ष, 15 प्रदेश उपाध्यक्ष ने भाग लिया

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन कांग्रेस कार्यालय में देश भर से आये हुए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्षों के साथ संवाद किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की पहल पर आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एमडी चोपदार, 50 जिला अध्यक्ष, 15 प्रदेश उपाध्यक्ष सहित प्रदेश नेतृत्व ने भाग लिया। बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों, संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आगामी नगर निकाय, पंचायती राज, विधानसभा और लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया। राहुल गांधी ने पदाधिकारियों से जमीनी स्तर पर संगठन की स्थिति और जनता से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और सभी वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा चलाई जा रही संगठनात्मक गतिविधिओं की जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं AICC अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी सहित देशभर से आये हुए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे।

झूठे प्रकरण में समझौता कराने की एवज में कांस्टेबल को 7 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी इकाई कोटा द्वारा गुरुवार (18 जून, 2026) को कार्रवाई करते हुए कांस्टेबल हरिओम को 7 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी कोटा इकाई को एक शिकायत इस आशय की प्राप्त हुई कि परिवादी के पड़ोसियों द्वारा उसके पुत्र के विरुद्ध पुलिस थाना उद्योग नगर, कोटा में झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। उक्त प्रकरण की जांच के दौरान आरोपी हरिओम कांस्टेबल द्वारा परिवादी को उद्योग नगर थाने पर बुलाकर मामले को रफा-दफा करने की एवज में 15 हजार रुपए रुपए रिश्वत की मांग की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि बातचीत

के दौरान आरोपी हरिओम द्वारा परिवादी की जेब से जबरन पांच हजार रुपए निकाल लिए और शेष 10 हजार रुपए रिश्वत राशि प्राप्त करने के लिए परिवादी पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। जिस पर एसीबी कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन करवाया गया। 15 जून को मांग सत्यापन की कार्रवाई के दौरान आरोपी हरिओम द्वारा परिवादी से 8 हजार रुपए रिश्वत राशि लेने पर सहमति व्यक्त की गई, जिससे रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। जिस पर 18 जून को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुलिस उप अधीक्षक अनीस अहमद के नेतृत्व में गठित ट्रैप दल द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी हरिओम कांस्टेबल को पुलिस थाना उद्योग नगर, कोटा शहर के बाहर परिवादी से 7 हजार रुपए रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा अग्रिम कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

कल तक जो हमें बी-टीम कह रहे थे, आज वो खुद भाजपा में चले गए - ओवैसी

कलकत्ता। AIMIM प्रमुख और हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार (16 जून, 2026) को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) में पड़ी फूट और जारी आंतरिक विवाद को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कल तक जो हमें बी-टीम कह रहे थे, आज वो खुद वहां (भाजपा के समर्थन में) चले गए हैं। जो लोग ये कहते थे कि सीने में मदीना और आंख में काबा, तो योगी आदित्यनाथ बंगाल गए और कहा कि हम बंगाल को काबा की धरती की नहीं बनने देंगे और आज वो सभी लोग एक साथ बैठकर चाय पी रहे हैं।

आप अपने ही लोगों को रोकने में नाकाम हैं

इंटरव्यू में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'क्या आपने कभी ऐसा सुना है कि एक पार्टी सत्ता हारने के बाद पूरी तरह से गायब हो गया और उसके 20 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी? सारे के सारे कबूतर यहां से वहां उड़ गए। ये आपकी पार्टी है और आप हमको गाली दे रहे थे। चुनाव के दौरान भी हमको गाली दे रहे थे, लेकिन अब किसको गाली देंगे।' उन्होंने कहा, 'आप भारतीय जनता पार्टी (BJP) को रोक नहीं पा रहे हैं, आपकी पार्टी के विधायक चले गए और सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। कोई आपकी पार्टी पर दावा कर रहा है। आप अपने ही लोगों को रोक नहीं हो पा रहे हैं और आप हम पर सेक्युलरिज्म की पूरी अपनी थिसिस को हम पर फेंकते रहते हैं।'

टीएमसी में फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराने पर बोले ओवैसी

जब उनसे यह सवाल किया गया कि तृणमूल कांग्रेस (TMC) बीजेपी पर आरोप लगा रही है कि भाजपा उनकी पार्टी को तोड़ने के लिए मशीनरी का इस्तेमाल कर रही है, इस पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'हो सकता है, लेकिन आप बंगाल में 15 सालों तक सत्ता में रहे और 2024 के आम चुनाव में आपके भारी संख्या में उम्मीदवार जीतकर सांसद बनें, फिर ऐसा क्या हो गया?' उन्होंने कहा, 'बंगाल की जमीन पर जो मुझे महसूस हुआ है कि ममता बनर्जी का भ्रष्टाचार, उनकी पार्टी का भ्रष्टाचार, उनके पार्टी के सदस्यों की गुंडागर्दी, कुशासन और उनके कोई कनेक्ट नहीं रहा और इसमें वोटर लिस्ट का एसआईआर भी एक मुद्दा है।'

आपने 15 सालों में विसंगतियां दूर क्यों नहीं की

ओवैसी ने कहा, 'एसआईआर पिछले साल जून महीने में बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले शुरू हुआ था और आप पिछले 15 सालों से सत्ता में रहकर उनलोगों के नामों को जोड़ने के लिए क्या-क्या किए? आप जो विसंगतियां थीं, उन्हें कम क्यों नहीं करा पाए?' उन्होंने आगे कहा, 'ये दिखावे की जो राजनीति है कि सुप्रीम कोर्ट चले गए। देश के संविधान में ताकतों के वर्गीकरण का सिद्धांत है। एक राज्य के मुख्यमंत्री एग्जीक्यूटिव होता है, एग्जीक्यूटिव चला गया न्यायपालिका के पास, तो अगर आपके पास पार्टी है, वकील है तो ये दिखावा, ये ड्रामा जमीन पर तो काम नहीं आएगा।'

कप्तान लियाकत अली सम्मानित

-कायमखानी इतिहास एवं शौर्य किताब के लेखक कप्तान लियाकत अली

ददरेवा (चूरू) (रॉयल पत्रिका)। स्थित दादा-ए-कौम कायमखानी के प्रथम पुरुष नवाब कायम खां के यौम -ए-शहादत, दिनांक 14 जून 2026 को हुए भव्य समारोह में शामिल कायमखानी इतिहास एवं शौर्य किताब के लेखक कप्तान लियाकत अली खान (सेवा निवृत) धनूरी को सम्मानित किया गया। दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था के बैनर तले यह शानदार प्रोग्राम हाजी युनुस खां पूर्व मंत्री तथा अब डीडवाना विधायक की सदारत में आयोजित किया गया था। कायमखानी

इतिहास पर लिखने वालों लेखकों के अलावा वीर चक्रधारी केके सैनिकों, पत्रकारों, कौम के राज नेताओं जो MP, MLA, प्रधान, चेयरमैन नगर पालिका बने, कायमखानी संस्थाओं के प्रमुख और कौम कायमखानी के मो. अजीज हज़रात को, विभिन्न श्रेणी के लगभग 200 लोगों (प्रतिभाओं) को सम्मानित किया गया।

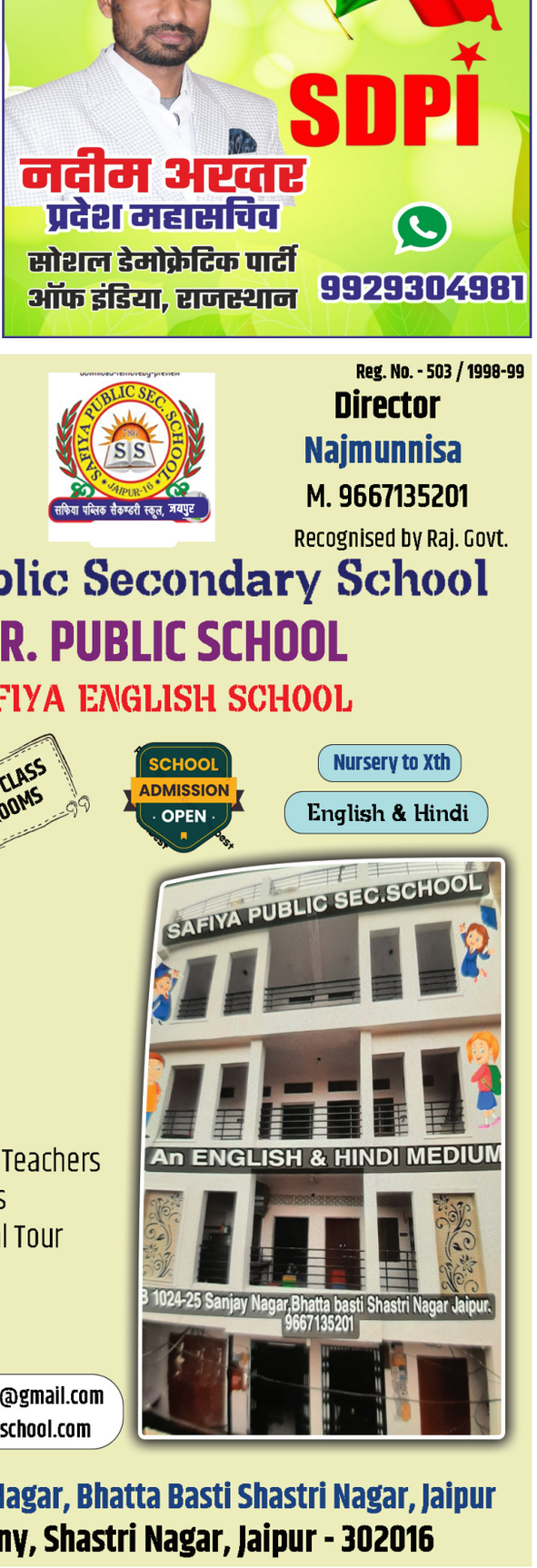

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com